नई दिल्ली ■ मंगलवार 09 दिसंबर 2025 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 251 ■ पृष्ठ 08

JBT जनभावना टाइम्स

www.thejbt.com

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल एवं करनाल से प्रकाशित

04 भारतीय रुपए का अवमूल्यन विमर्श का नया अवसर | 07 टी20 विश्व कप के लिए तैयारी करेगा भारत | आपकी बहुत याद आती है पापा : ईशा देओल 08

वंदे मातरम् हमें प्रेरणा देता है आजादी की रक्षा कैसे करें : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वंदेमातरम गीत के 150 वर्ष पूरे होने पर आज इस गीत की तुलना नदी के प्रवाह से की। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् अपने साथ एक प्रेरणा प्रवाह लेकर चल रहा है और आजादी के बाद अब हमें यह स्मृद्धि की ओर ले जाएगा।

प्रधानमंत्री ने सोमवार को लोकसभा में वंदे मातरम् पर चर्चा की शुरुआत करते हुए कहा कि पिछली सदी में वंदे मातरम गीत के साथ अन्याय किया गया। उन्होंने अपने भाषण में गांधीजी के इस कथन का उल्लेख किया कि वंदे मातरम् इतना लोकप्रिय हो गया है कि इसे राष्ट्रगान बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज उन परिस्थितियों को जानने की जरूरत है कि कौन सी वह ताकत थी जो इस पूज्य भावना पर हावी हुई और इसे विवादों में घसीटा गया। प्रधानमंत्री ने इस गीत से जुड़े इतिहास, उसके भाव जागरण और प्रेरित करने से जुड़े प्रसंग और तथ्य सदन में रखे। साथ ही उन्होंने कांग्रेस पर गीत के साथ अन्याय करने का आरोप भी लगाया।

साथ ही उन्होंने जनप्रतिनिधियों से चर्चा में भाग लेने का आह्वान करते हुए कहा कि यह हमारे लिए यह ऋण स्वीकार करने का अवसर है। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस और पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू पर तुष्टिकरण को लेकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मुस्लिम लीग के विरोध के बाद कांग्रेस ने गीत की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि नेहरू ने 1937 में गीत के खिलाफ मुहम्मद अली जिन्ना के बयान के बाद गीत को

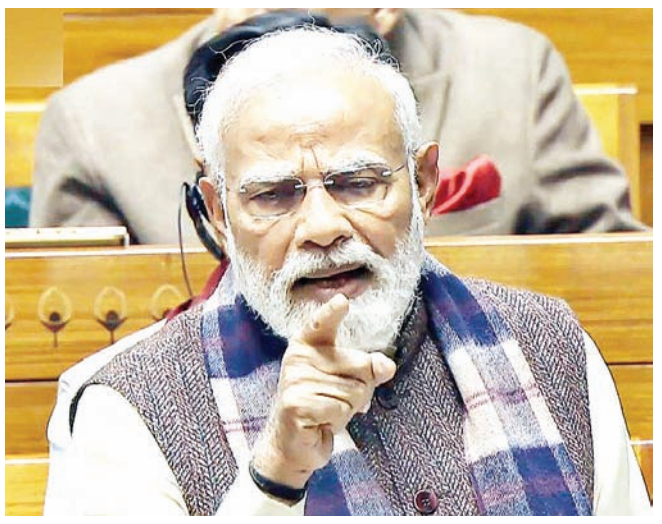

मुस्लमानों को 'इरिटेट' करने वाला बताया। उन्होंने सुभाष चंद्र बोस को लिखी चिट्ठी में इसका उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि वंदे मातरम् गीत को काटे जाने ने ही देशविभाजन की नींव रखी थी।

उन्होंने कहा कि समाजिक सदभाव के नाम पर वंदे मातरम् गीत के उपयोग की समीक्षा की गई और इसे काटा गया। कांग्रेस ने मुस्लिम लीग के सामने घुटने टेके और उसके तुष्टीकरण के चलते देश को एक दिन भारत का विभाजन स्वीकार करना पड़ा। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण की शुरुआत गीत से प्रेरित होकर देश के लिए प्राणों की आहूति देने वाले ज्ञात-अज्ञात सैनानियों को श्रद्धांजलि देते हुए की। उन्होंने वंदे मातरम् गीत के 50 और 100 वर्ष पूरे होने पर देश के हालात की बात कही और कहा कि 150 वर्ष पूरे होने के अवसर का लाभ उठाते हुए हमें देश के गौरव को पुनर्स्थापित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि 50 वर्ष पूरे होने पर देश गुलाम था और 100 वर्ष पूरे होने पर आपातकाल से गुजर रहा था। आपातकाल में संविधान का गला घोंटा गया। वंदे मातरम् से अंग्रेजी शासन को मिली चुनौती का बखान करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इसने देश में हीन भावना का प्रसार कर रहे विदेशी शासन को भारत के सामर्थ्य का परिचय दिया।

गीत में भारत पंक्तियां लिखी गई कि भारत माता ज्ञान और समृद्धि की देवी के साथ शत्रु का नाश करने के लिए शस्त्र धारण करने वाली चंडी भी हैं। ये विचार विदेशी शासन काल में भारतीयों को जागृत और प्रेरित करते थे। उन्होंने कहा कि ब्रिटिश शासन के उस दौर में भारत और भारतीयों को नीचा दिखाना उनकी आदत बन गई थी। ऐसे समय में बंकिमचंद्र ने देश को हीनता की भावना से झकझोरने और भारत के शक्तिशाली स्वरूप को उजागर करने के लिए ये पंक्तियाँ लिखीं- त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी....सुजालां सुफलां मातरम्। वंदे मातरम्। गीत एक सांस्कृतिक ऊर्जा और विजन के साथ आगे बढ़ा। इसने बताया कि लड़ाई सत्ता या जमीन की नहीं बल्कि महान संस्कृति के पुनर्रस्थापन के संकल्प है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि वंदे मातरम् गीत से ही डरकर अंग्रेजों ने देश में फूट डालो और राज करो की अपनी नीति भारत में लागू की। उन्होंने बंगाल का विभाजन किया। ऐसे समय में भी वंदे मातरम् गीत चट्टान की तरह गली-गली में नाद बनकर गूंजा। तब अंग्रेजों ने इसके गाने, बोलने और छापने पर प्रतिबंध तक लगा दिया।

उन्होंने कहा कि एक समय था जब बंगाल की बौद्धिक शक्ति पूरे देश को गाइड करती थी और प्रेरित करती थी। अंग्रेज़ अच्छी तरह समझते थे कि बंगाल की शक्ति ही भारत की शक्ति का केंद्र बिंदु है। इसीलिए उन्होंने सबसे पहले बंगाल को बांटने का काम किया।... बारिसाल में वंदे मातरम् गाने पर सबसे अधिक जुर्माने लगाए गए थे। बारिसाल, आज भारत का हिस्सा नहीं रहा है, लेकिन उस समय बारिसाल में भारत की वीरांगनाओं ने ववंदे मातरम् पर लगे प्रतिबंध के विरोध में बड़ा और लंबा प्रदर्शन किया।

पीएम ने दूरदर्शन के 'सुप्रभातम्' कार्यक्रम की सराहना की, भारतीय परंपराओं को बताया प्रेरणादायी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दूरदर्शन पर प्रसारित होने वाले 'सुप्रभातम्' कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम सुबह की शुरुआत को ताजगी और सकारात्मकता से भर देता है। इसमें योग से लेकर भारतीय जीवन-शैली के विभिन्न पहलुओं पर सारगर्भित चर्चा की जाती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय परंपराओं और मूल्यों पर आधारित यह कार्यक्रम ज्ञान, प्रेरणा और सकारात्मकता का अनूठा संगम है, जो दर्शकों को न केवल जागरूक करता है, बल्कि संस्कृति से भी जोड़ता है। उन्होंने 'सुप्रभातम्' कार्यक्रम के विशेष खंड 'संस्कृत सुभाषितम्' का भी उल्लेख किया और कहा कि यह खंड भारत की संस्कृति और विरासत के प्रति नई जागरूकता पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि दूरदर्शन पर प्रसारित होने वाला सुप्रभातम् कार्यक्रम सुबह-सुबह ताजगी भरा एहसास देता है। इसमें योग से लेकर भारतीय जीवन शैली तक अलग-अलग पहलुओं पर चर्चा होती है। भारतीय परंपराओं और मूल्यों पर आधारित यह कार्यक्रम ज्ञान, प्रेरणा और सकारात्मकता का अद्भुत संगम है।

इंडिगो ने की 1800 से ज्यादा फ्लाइट शुरू

यात्रियों को लौटाए 827 करोड़ रुपये और 4500 बैग

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी एयरलाइंस कंपनी इंडिगो ने पिछले एक हफ्ते से बाधित ऑपरेशनल संकट सोमवार को फिर से बहाल कर दिया। कंपनी ने आज 500 फ्लाइट्स रद्द की हैं, जबकि देश भर के पूरे नेटवर्क में 1,800 से

ज्यादा उड़ानों का परिचालन शुरू हो गया है। एयरलाइन ने कुल 9000 बैग में से 4500 बैग यात्रियों को सौंप दिए। बाकी बैग अगले 36 घंटों में यात्रियों को दे दिए जाएंगे। कंपनी ने यात्रियों को 827 करोड़ रुपये लौटाए हैं।

इस बीच, इंडिगो के शीर्ष अधिकारियों को डीजीसीए की बनाई हाई लेवल कमेटी ने समन भेजा है। एयरलाइन ने आज एक बयान में हाल की दिक्कतों के बाद पूरे नेटवर्क में काफी सुधार दर्ज करने का दावा किया है। कंपनी 1800 से ज्यादा फ्लाइट्स ऑपरेट करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जिससे सभी ऑपरेशनल स्टेशन कनेक्ट हो जाएंगे। कंपनी ने बताया कि हमने अपने ऑपरेशन्स को ऑप्टिमाइज किया है और कस्टमर्स को पहले से बताई जाने वाली कैंसलेशन की संख्या को कम करने में कामयाब रहे हैं और हमारा ऑन-टाइम परफॉर्मेंस (ओटीपी) भी पूरे नेटवर्क में 91 फीसदी तक बेहतर हुआ है। इंडिगो ने यह भी बताया कि फ्लाइट कैंसिलेशन, रिफंड, लगेज डिलीवरी और रीबुकिंग जैसी सभी प्रक्रियाएं तेज कर दी गई हैं। कंपनी ने यात्रियों को अब तक 827 करोड़ रुपये रिफंड कर दिए हैं, जबकि बाकी रिफंड भी प्रोसेस में हैं। एयरलाइन ने बताया कि 1 से 7 दिसंबर के बीच फंसे यात्रियों को होटल, कैब और लगेज डिलीवरी की सुविधाएं दी गई हैं।

इंडिगों का कहना है कि चुस्ती से काम करते हुए वह अगले 24 से 36 घंटे में पूरी तरह सामान्य स्थिति में पहुंचने की उम्मीद कर रही है। इंडिगो के प्रवक्ता ने कहा कि https://www.goindigo.in/check-flight status.html पर लेटेस्ट फ्लाइट स्टेटस चेक कर लें। अगर कोई रिफंड मदद चाहिए, तो वह https://www.goindigo.in/refund.html पर या हमारे कस्टमर सपोर्ट से ली जा सकती है। हमें इस रुकावट के लिए अफ़सोस है और हम अपने सभी कस्टमर्स से दिल से माफ़ी मांगते हैं। प्रवक्ता ने कहा कि हम यह दोहराना चाहेंगे कि हमारे सभी ऑपरेशन FDTL के नियमों और सुरक्षा नियमों का पूरी तरह से पालन करते हैं, जैसा कि पिछले दो दशकों से होता आ रहा है। हम ऑपरेशन को सामान्य करने के लिए अधिकारियों के साथ पूरे सहयोग से काम करना जारी रखेंगे। एक बार फिर, हम पिछले कुछ दिनों में फ्लाइट में हुई रुकावटों के लिए दिल से माफी मांगना चाहते हैं। हम अपने यात्रियों के धैर्य और समझ के साथ-साथ अपने कर्मचारियों और पार्टनर्स के पक्के इरादे के लिए बहुत आभारी हैं।

संक्षिप्त खबरें

गुजरात के भावनगर से 719 करोड़ के अंतरराष्ट्रीय साइबर फ्रॉड का पर्दाफाश

भावनगर। गुजरात पुलिस के साइबर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ने राज्य के इतिहास की सबसे बड़ी साइबर क्राइम कार्रवाई में सात सौ करोड़ से अधिक के अंतरराष्ट्रीय धोखाधड़ी रैकेट का भंडाफोड़ किया है। भावनगर से संचालित इस नेटवर्क ने म्यूल बैंक खातों, आंगड़िया चैनल और क्रिप्टोकरेंसी वॉलेट्स के जरिए 719 करोड़ रुपये का मनी लॉन्ड्रिंग किया था। इस मामले में भावनगर स्थित एक निजी बैंक के दो कर्मचारियों सहित कुल 10 आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। जांच में खुलासा हुआ है कि इस गिरोह के तार दुबई और चीन की कुख्यात साइबर सिंडिकेट्स से जुड़े हैं। इस बाबत स्टेट साइबर सेल पुलिस अधीक्षक डा. राजदीप सिंह झाला ने बताया कि यह गिरोह 1544 अपराधों में सक्रिय था। उन्होंने बताया कि इस मामले में दस आरोपित गिरफ्तार किए गए हैं। ये गुजरात सहित अन्य राज्यों में म्यूल खाते खोल रहे थे।

ब्रिटेन में खालिस्तानी तत्वों पर कार्रवाई का भारत ने किया स्वागत

नई दिल्ली। भारत ने ब्रिटेन में भारत विरोधी इजेंडा चला रहे खालिस्तानी तत्वों के खिलाफ कार्रवाई का स्वागत किया है। भारत ने कहा है कि इससे आतंक और चरमपंथ के खिलाफ वैश्विक लड़ाई को मजबूती मिलेगी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोमवार को साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में एक प्रश्न के उत्तर में उक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि इस तरह की कार्रवाई से अंतरराष्ट्रीय अपराध नेटवर्क और उसके वित्तीय लेन-देन को रोकने में मदद मिलेगी। प्रवक्ता ने कहा कि इस तरह के व्यक्ति और समूह भारत और ब्रिटेन के लिए गंभीर खतरा हैं। हम ब्रिटेन के साथ निकटता से आतंक विरोधी कार्रवाई और सुरक्षा सहयोग पर मिलकर काम करते रहे हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले सप्ताह ब्रिटेन सरकार ने खालिस्तान समर्थक आतंकी संगठन बब्बर खालसा की फंडिंग रोकने के लिए पहली बार कड़े प्रतिबंध लगाए। सरकार ने गुरप्रीत सिंह रिहाल की सभी संपत्तियाँ फ्रीज कर दीं और उन्हें कंपनी निदेशक बनने या प्रबंधन में भाग लेने से अयोग्य घोषित किया।

हरियाणा मंत्रिमंडल ने पुलिस नियमों में बदलाव को मंजूरी दी

चंडीगढ़। हरियाणा मंत्रिमंडल ने कांस्टेबल और उप-निरीक्षकों की भर्ती प्रक्रिया को अद्यतन करने के लिए पंजाब पुलिस नियम, 1934 (हरियाणा में लागू) में बदलाव को सोमवार को मंजूरी दे दी। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि ये बदलाव पंजाब पुलिस (हरियाणा संशोधन) नियम, 2025 के रूप में जारी किए जाएंगे। संशोधनों के अनुसार, शारीरिक माप परीक्षण (पीएमटी) और शारीरिक स्क्रीनिंग टेस्ट (पीएसटी) पास करने वाले उम्मीदवारों को हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा शॉर्टलिस्ट किया जाएगा। आयोग अगले चरण ज्ञान परीक्षा के लिए रिक्तियों की संख्या के दस गुना उम्मीदवारों को बुलाएगा। ज्ञान परीक्षा का 97 प्रतिशत भारांक होगा और इसमें हिंदी और अंग्रेजी में वस्तुनिष्ठ, बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे। वहीं, सरकार ने प्रवर्तन तंत्र को मजबूत करने और अवैध खनन पर अंकुश लगाने के प्रयास के तहत खान एवं भूविज्ञान विभाग में पदों की संख्या 632 से बढ़ाकर 890 करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी है।

पश्चिम बंगाल में पांच वरिष्ठ आईएएस अधिकारी मतदाता सूची के विशेष पर्यवेक्षक नियुक्त

कोलकाता। निर्वाचन आयोग ने सोमवार को पश्चिम बंगाल के विभिन्न संभागों के लिए पांच वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों को मतदाता सूची का विशेष पर्यवेक्षक (एसआरओ) नियुक्त किया। वे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कवायद से संबंधित कार्यों की निगरानी करेंगे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

रक्षा मंत्रालय के संयुक्त सचिव कुमार रविकांत सिंह को प्रेसीडेंसी संभाग का एसआरओ नियुक्त किया गया जबकि गृह मंत्रालय के संयुक्त सचिव नीरज कुमार बंसोड़ को मेदिनीपुर संभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के संयुक्त सचिव कृष्ण कुमार निराला को बर्दवान संभाग का एसआरओ नियुक्त किया गया है, जबकि आर्थिक मामलों के विभाग के संयुक्त सचिव आलोक तिवारी को मालदा संभाग का और ग्रामीण विकास विभाग के संयुक्त सचिव पंकज यादव को जलपाईगुड़ी संभाग का एसआरओ नियुक्त किया गया है। आयोग ने इससे पहले एसआईआर के संबंध में सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी सुब्रत गुप्ता को मतदाता सूची का विशेष पर्यवेक्षक नियुक्त किया था। इसके अलावा मतदाता सूची तैयार करने के प्रमुख

पहलुओं की देखरेख करने तथा सुधारात्मक उपाय करने में जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) और निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) की मदद करने के लिए मतदाता सूची के पर्यवेक्षकों के रूप में 12 आईएएस अधिकारियों की एक टीम गठित की थी।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय के एक अधिकारी ने कहा कि एसआरओ की नियुक्ति से सभी संभागों में एसआईआर प्रक्रिया में बेहतर जांच और पारदर्शिता सुनिश्चित होगी। उनकी उपस्थिति से निगरानी और निर्वाचन आयोग के मानदंडों के अनुपालन को बल मिलेगा। उन्होंने कहा कि पर्यवेक्षक मतदाता सूची से संबंधित गतिविधियों की निगरानी करेंगे और अपने-अपने क्षेत्राधिकार में निर्वाचन आयोग के दिशानिर्देशों का पालन सुनिश्चित करेंगे।

छत्तीसगढ़ में 1 करोड़ 5 लाख रुपये के इनामी सहित 12 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

रायपुर। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले में सोमवार को कुख्यात नक्सली रामधेर मज्जी ने अपने 11 साथियों के साथ सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। ये सभी नक्सली माओवादी संगठन की एमएमसी (महाराष्ट्र-मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़) जोनल कमेटी के सदस्य थे और तीनों राज्यों की सीमा पर सक्रिय थे। रामधेर मज्जी पर 01 करोड़ 05 लाख रुपये का इनाम घोषित था। वह माओवादी संगठन में सेंट्रल कमेटी सदस्य के पद पर था। आत्मसमर्पण समारोह राजनांदगांव में आयोजित किया गया, जिसमें छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, डीजीपी अरुण देव गौतम और एडीजी (नक्सल ऑपरेशन) विवेकानंद सिन्हा उपस्थित रहे। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों के हाथों में भारतीय संविधान की प्रति एवं सफेद गुलाब का फूल था, जो शांति और मुख्यधारा में लौटने का प्रतीक था।

इस दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रेस वार्ता के दौरान इसे 'ऐतिहासिक दिन' करार देते हुए कहा कि दशकों से नक्सलवाद छत्तीसगढ़ के विकास में सबसे बड़ी बाधा बना हुआ था।

उन्होंने कहा कि आज नक्सलवाद की कमर टूट चुकी है और वह अपनी अंतिम सांसें ले रहा है। रामधेर मज्जी जैसे वरिष्ठ नेता का हिंसा का रास्ता छोड़कर विकास की मुख्यधारा में आना यह सिद्ध करता है कि हमारी रणनीति पूरी तरह सफल हो रही है। मुख्यमंत्री साय ने केंद्र सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति और डबल इंजन सरकार के समन्वय की सराहना की।

उन्होंने याद दिलाया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 31 मार्च 2026 तक देश को नक्सल-मुक्त करने का लक्ष्य रखा है और छत्तीसगढ़ उस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। आत्मसमर्पण करने वाले पूर्व नक्सलियों को स्किल डेवलपमेंट ट्रेनिंग भी दी जा रही है ताकि वे सम्मानजनक रोजगार अपना सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर जल्द ही पूरी तरह नक्सल-मुक्त होकर कृषि, पर्यटन और औद्योगिक विकास का केंद्र बनेगा। इस बार बस्तर में पारंपरिक पंडुम उत्सव भी भव्य स्तर पर मनाया जाएगा।

अब भारत में ही होगी सी-130जे सुपर हरक्यूलिस एयरक्राफ्ट की मरम्मत

टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स और लॉकहीड मार्टिन ने की घोषणा, 2026 के आखिर तक पूरा होगा निर्माण

नई दिल्ली। टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स और लॉकहीड मार्टिन भारत में सी-130जे सुपर हरक्यूलिस एयरक्राफ्ट के लिए डिफेंस मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहॉल (एमआरओ) शुरू करेंगे। यह सुविधा दोनों कंपनियों की लंबे समय से चली आ रही औद्योगिक साझेदारी पर आधारित होगी, जिससे भारतीय वायु सेना के लिए देश में काफी सहयोग बढ़ेगा और साथ ही बड़े क्षेत्रीय और वैश्विक सहयोग के भी मौके मिलेंगे। इसका निर्माण 2026 के आखिर तक पूरा होगा और उम्मीद है कि 2027 की शुरुआत में एमआरओ ऑपरेशन के लिए पहला एयरक्राफ्ट मिल जाएगा।

बेंगलुरु में दोनों कंपनियों ने सोमवार को इसकी घोषणा भूमि पूजन समारोह के बाद की, जिसमें वायु सेना के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए।लॉकहीड मार्टिन

के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर फ्रैंक सेंट जॉन ने कहा कि आज टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स और भारत के साथ हमारा सहयोग बहुत आगे बढ़ गया है। सात दशकों से ज्यादा समय से हम भारत के बढ़ते एयरोस्पेस और डिफेंस इंडस्ट्रियल बेस के साथ-साथ आगे बढ़े हैं। सी-130जे सुपर हरक्यूलिस एयरक्राफ्ट के लिए डिफेंस मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहॉल (एमआरओ) इसी नींव को और मजबूत करेगी। यह सुविधा भारत में विश्व स्तरीय स्थिरता लाने के साथ ही भारतीय वायु सेना की तैयारियों को बेहतर बनाएगी। साथ ही ऐसे मौके बनाएगी, जो क्षेत्रीय और वैश्विक सी-130 ऑपरेटर्स को सहयोग करेंगे। इस मौके पर टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक सुकरण सिंह ने कहा कि यह माइलस्टोन सिर्फ़ एक नई सुविधा की स्थापना से कहीं ज़्यादा है।

इस आधुनिक एमआरओ में डिपो-लेवल और भारी मेंटेनेंस, कंपोनेंट रिपेयर, ओवरहॉल, टेस्टिंग, संरचनात्मक बहाली और एवियोनिक्स अपग्रेड की सुविधा मिलेगी, जिससे हमारा एयरोस्पेस इकोसिस्टम मजबूत होगा। यहां भारतीय इंजीनियरों और मेंटेनेंस के लिए बेहतर ट्रेनिंग की सुविधा होगी और सी-130 सप्लाई चेन में भारतीय आपूर्तिकर्ताओं के लिए नए मौके मिलेंगे।

मणिपुर में हथियार-गोलाबारूद के साथ चार उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर पुलिस तथा सुरक्षा बलों द्वारा रविवार को चलाए गए अलग-अलग अभियानों में विभिन्न प्रतिबंधित उग्रवादी संगठनों से जुड़े चार कैडरों को गिरफ्तार किया गया। इन अभियानों के दौरान हथियार, गोलाबारूद, संचार उपकरण तथा पहचान संबंधी दस्तावेज भी बरामद हुए। पहले अभियान में विष्णुपुर थाना क्षेत्र के नाइखोंग खुलेन अवांग लाइकै से प्रीपाक के सक्रिय कैडर लमाबम रोशन सिंह उर्फ केथम उर्फ अथौबा (24) को उसके घर से गिरफ्तार किया गया।

तलाशी में दो स्टैलियन प्रो गन, 12-बोर के 13 जिंदा कारतूस, एक नंबर-36 हैंड ग्रेनेड, दो वॉकी-टॉकी सेट, दो चार्जर, एक बीपी जैकेट और एक टिन का ट्रंक बरामद हुआ। उधर, इंफाल पूर्व में लामलाई थाना क्षेत्र के खरसोंम अवांग लाइकै से सुरक्षा बलों ने केवाईकेएल के कैडर लोंगजाम मोचा मैतेई उर्फ राज (41) को उसके निवास से पकड़ा।

एक अन्य कार्रवाई में लमसांग थाना क्षेत्र के कदांगबंद मायाई लाइकै से यूएनएलएफ (के) के उग्रवादी एवं रंगदारी वसूली में सक्रिय युमखैबम ब्रोजेन सिंह (50) को गिरफ्तार किया गया। उससे दो मोबाइल फोन, एक आधार कार्ड और एक एयरटेल एयरफाइबर उपकरण बरामद किए गए। इसी दिन, विष्णुपुर जिले के निंगथौखोंग मथक लाइकै से केसीपी (नौंगद्रेनखोम्बा) गुट के सदस्य हाओबिजाम निंगतंबा मैतेई (31) को भी सुरक्षा बलों ने गिरफ्तार किया। उसके पास से एक मोबाइल फोन और एक वोटर आईडी कार्ड मिला।

डीएम ने की क्लब, बार व होटल संचालकों से सुरक्षा और आपदा प्रबंधन पर बैठक

दुर्घटना, आगजनी और आपदा को रोकना हमारी पहली प्राथमिकता: डीएम

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर की जिलाधिकारी मेधा रूपम ने जनपद के समस्त क्लब, बार, होटल, रेस्टोरेंट एवं मैरिज लॉन के प्रबंधकों व संचालकों के साथ बैठक की। बैठक का प्रमुख उद्देश्य इन प्रतिष्ठानों में सुरक्षा मानकों को सुदृढ़ करना, संभावित आपदा की स्थिति से निपटने के लिए ठोस उपाय सुनिश्चित करना तथा जनसाधारण की सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश देना था। नोएडा के सेक्टर-27 स्थित डीएम कैंप कार्यालय पर हुई बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में किसी भी प्रकार की दुर्घटना, आगजनी अथवा आपदा को रोकना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

उन्होंने सभी प्रतिष्ठान संचालकों को निर्देशित किया कि निर्धारित सुरक्षा मानकों, अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता एवं कार्यशीलता, इमरजेंसी एग्जिट, सीसीटीवी कैमरा व्यवस्था, पार्किंग प्रबंधन तथा भीड़ नियंत्रण की व्यवस्था पूर्ण रूप से दुरुस्त रहनी चाहिए। कोई भी ज्वलनशील पदार्थ प्रतिष्ठानों में न रखा जाए तथा एंट्री और एग्जिट गेट पर लाइटिंग साइनेज अनिवार्य रूप से लगाए जाए। जिससे लोगों को दूर से ही मार्ग स्पष्ट दिखाई दे सके। जिलाधिकारी ने सभी संस्थानों को अपने यहां एक इमरजेंसी इंचार्ज नामित करने और उसकी सूची जिला प्रशासन को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी प्रतिष्ठानों में प्राथमिक उपचार सामग्री, पब्लिक एड्रेस सिस्टम तथा दिव्यांगजन-अनुकूल सुविधाएं भी पूरी तरह सुदृढ़ होनी चाहिए। साथ ही कर्मचारियों के लिए नियमित मॉक ड्रिल एवं आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण आयोजित किये जाये, ताकि किसी भी आकस्मिक स्थिति में तुरंत और प्रभावी कार्रवाई की जा सके।

बैठक में पुलिस विभाग, विद्युत सुरक्षा विभाग, अग्निशमन विभाग, आबकारी विभाग एवं आपदा प्रबंधन से संबंधित अधिकारियों ने भी विभिन्न तकनीकी पहलुओं पर विस्तृत जानकारी दी। अधिकारियों ने सुरक्षा उपकरणों की अनिवार्य उपलब्धता, विद्युत सुरक्षा, क्षमता के अनुरूप भीड़ प्रबंधन तथा लाइसेंस की शर्तों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करने पर बल दिया। बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार, मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप चौबे, जिला आबकारी अधिकारी सुबोध कुमार, सहायक निदेशक विद्युत सुरक्षा रमेश कुमार तथा जिला आपदा विशेषज्ञ ओमकार चतुर्वेदी सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

नोएडा प्राधिकरण के सीईओ ने कालिंदी कुंज मार्ग से अवैध होर्डिंग्स और बोर्ड हटाने के दिए निर्देश

नोएडा। नोएडा में कालिन्दी कुंज मार्ग पर अवैध रूप से लगे विज्ञापन के होर्डिंग्स व बोर्ड को तत्काल प्रभाव से हटाने के निर्देश नोएडा प्राधिकरण के सीईओ ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिए हैं।

नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डा. लोकेश एम ने सोमवार को सिविल और उद्यान विभाग के अधिकारियों के साथ सेक्टर-94 से 127 संस्थागत सेक्टरों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नोएडा में कालिन्दी कुंज की ओर से आने वाले मार्ग पर प्रवेश द्वार पर अनुरक्षण व्यवस्था दयनीय मिली। सीईओ ने उक्त स्थल पर प्रवेश को आकर्षक बनाने व पेन्टिंग कराने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त उक्त स्थल पर लगे अनाधिकृत विज्ञापन के होर्डिंग्स व बोर्ड तथा काफी मात्रा में अवैध लगी केबिल को तत्काल प्रभाव से हटवाने को संबंधित विभाग के अधिकारियों का निर्देशित किया गया। सेक्टर-94 से 127 संस्थागत सेक्टरों का निरीक्षण के दौरान सीईओ को विभिन्न संस्थागत इकाईयों के बाहर अवैध पार्किंग अत्यधिक मात्रा में मिली। जिसके दृष्टिगत उन्होंने सभी संबंधित इकाईयों को नोटिस जारी करने का संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान नोएडा प्राधिकरण के महाप्रबन्धक एके अरोडा, उप महाप्रबन्धक (सिविल) विजय रावल, निदेशक (उद्यान) आनन्द मोहन, विशेष कार्याधिकारी इन्दु प्रकाश सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

आईआईएमटी कॉलेज ऑफ़ पॉलिटेक्निक में 6 दिवसीय एफडीपी का समापन

ग्रेटर नोएडा। नॉलेज पार्क स्थित आईआईएमटी कॉलेज ऑफ़ पॉलिटेक्निक के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा "रिसेंट ट्रेंड्स इन इलेक्ट्रिक व्हीकल" विषय पर आयोजित छह दिवसीय अटल फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) का समापन हुआ। इस कार्यक्रम में देशभर से आए शिक्षकों, शोधार्थियों और तकनीकी विशेषज्ञों ने भाग लेकर इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र की नवीनतम तकनीकों पर गहन विमर्श किया।

पहला दिनः उद्योग विशेषज्ञों ने ई-मोबिलिटी के भविष्य, ग्रीन एनर्जी और सरकार की ईवी नीतियों पर विचार साझा किए। तकनीकी सत्रः अगले दिनों में बैटरी मैनेजमेंट सिस्टम, चार्जिंग स्टेशन इन्फ्रास्ट्रक्चर, इलेक्ट्रिक मोटर डिजाइन, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और स्मार्ट ड्राइविंग टेक्नोलॉजी जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चाएं हुईं। विशेषज्ञों का मतः प्रतिभागियों को बताया गया कि आने वाले पाँच वर्षों में भारत विश्व का सबसे तेजी से बढ़ता हुआ इलेक्ट्रिक वाहन बाजार बन सकता है। ऐसे में तकनीकी प्रशिक्षण और अद्यतन ज्ञान का होना अनिवार्य है।

कार्यक्रम के दौरान आईआईएमटी कॉलेज ऑफ़ पॉलिटेक्निक के निदेशक प्रोफेसर उमेश कुमार ने कहा कि "तकनीकी शिक्षा के भविष्य को सशक्त बनाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। ईवी सेक्टर में कौशल विकास और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए ऐसे कार्यक्रम भविष्य में और भी बड़े पैमाने पर आयोजित किए जाएंगे।"

छह दिवसीय एफडीपी का समापन प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान करने के साथ हुआ। उपस्थित शिक्षकों और विशेषज्ञों ने आयोजन को तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में एक सार्थक पहल बताया।

यमुना प्राधिकरण के सीईओ ने मिंडा कारपोरेशन को सौंपा 23 एकड़ भूखंड का आवंटन पत्र

नोएडा। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा मिंडा कारपोरेशन लिमिटेड को सेक्टर-10 में 23 एकड़ के भूखंड का आवंटन पत्र सौंपा है। यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी आरके सिंह ने बताया कि मिंडा के कार्यकारी निदेशक आकाश मिंडा को आवंटन पत्र सौंपा गया। इस अवसर पर अमित जालान हेड कॉर्पोरेट अफेयर्स मिंडा ग्रुप व प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी नागेंद्र प्रताप सिंह, विशेष कार्याधिकारी शैलेंद्र भाटिया सहित अन्य उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश शासन की इन्वेस्टमेंट प्रमोशन पालिसी के अंतर्गत फार्च्यून 500 हंड्रेड कंपनीज में होने के कारण सब्सिडरी प्रदान की गई है। मैसर्स मिंडा कारपोरेशन द्वारा इस परियोजना में करीब 48,00,000 यूनिट्स वायरिंग हार्नेस एवं अन्य संबंधित कनेक्शन सिस्टम का उत्पादन किया जाएगा। इस परियोजना पर कंपनी द्वारा रुपए 522.279 करोड़ का निवेश किया जाएगा तथा इस परियोजना की स्थापना से क्षेत्र में कई प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे। प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि स्पार्क मिंडा ग्रुप की कंपनी मिंडा कारपोरेशन लिमिटेड के देश व विदेश में यथा भारत, वियतनाम, इटली, जापान, इंडोनेशिया में 27 प्रोडक्शन यूनिट्स वर्तमान में क्रियाशील हैं। कंपनी मेक्ट्रोनिक्स, सूचना और कनेक्टेड सिस्टम, प्लास्टिक और इंटीरियर, आफ्टरमार्केट उत्पादों और इलेक्ट्रिक वाहनों और इलेक्ट्रॉनिक्स में वैश्विक स्तर पर काम करती है। कंपनी द्वारा आर एंड डी सेंटर पुणे व बैंगलोर में स्थापित किए गए हैं।

पुलिस ने विवाह समारोह में हर्ष गोलीबारी करने वाले व्यक्ति की तलाश शुरू की

नोएडा। नोएडा के सेक्टर 93 में एक विवाह समारोह के दौरान हर्ष गोलीबारी का कथित वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने एक अज्ञात व्यक्ति की तलाश शुरू कर दी है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, शनिवार रात सेक्टर 93 स्थित एक बारात घर में यह घटना हुई। ऑनलाइन प्रसारित हो रहे 32 सेकंड के एक वीडियो में देखा जा सकता है कि एक व्यक्ति जश्न मनाने के लिए गोली चलाने की कथित तौर पर कोशिश कर रहा है। पुलिस के अनुसार, उस व्यक्ति को बंदूक चलाने की कोशिश करते हुए और फिर असफल होते हुए देखा जा सकता है। पुलिस ने बताया कि फेज दो थाने में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई और उसे गिरफ्तार करने के लिए एक टीम गठित की गई है। फेज दो थाना प्रभारी विंध्याचल तिवारी ने कहा कि प्रसारित वीडियो के संबंध में एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। पुलिस ने बताया कि बारात घर को पहले भी चेतावनी दे दी गई थी कि अगर किसी भी व्यक्ति को हथियार लेकर परिसर के अंदर आने दिया गया तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि 20 नवंबर को नोएडा में हर्ष गोलीबारी की एक अलग घटना में 10 वर्षीय एक लड़का घायल हो गया था, जिसमें पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया था।

अंगीठी जलाकर रूम में बैठे दो गार्ड जहरीली गैस की चपेट में आए, एक की मौत

नोएडा। नोएडा के थाना सेक्टर 49 क्षेत्र के सेक्टर 48 स्थित एक मकान में सिक्योरिटी में तैनात दो लोगों कड़ाके की सर्दी से बचने के लिए बीती रात रविवार को अंगीठी जलाकर गार्ड रूम बैठे थे। इसी बीच जहरीली गैस बनने से दोनों बेहोश हो गए। सिक्योरिटी कंपनी के एक अधिकारी ने उन्हें गंभीर हालत में उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां एक की मौत हो गई। वहीं एक की हालत नाजुक बनी हुई है।

थाना सेक्टर 49 के प्रभारी सुनील कुमार भारद्वाज ने सोमवार को बताया कि सेक्टर 48 के डी ब्लॉक में रहने वाले पिंकी सिंह के आवास पर धीरेंद्र कुमार तथा दिनेश कुमार(42) सिक्योरिटी गार्ड के रूप में काम करते हैं। दोनों गार्ड बीती रात कड़ाके की सर्दी से बचने के लिए लोहे के तसले में आग जलाकर गार्ड रूम का दरवाजा बंद करके बैठे थे। इसी बीच आग से निकले धुएं के चलते गार्ड रूम में कार्बन डाइऑक्साइड गैस बन गई। जहरीली गैस की वजह से दोनों गार्ड मूर्छित हो गए। सुबह के समय महिला सुरक्षा गार्ड प्रभा कुमारी ड्यूटी पर आई तो उन्होंने दोनों सुरक्षा गाड्र्स को बेहोशी की अवस्था में पड़ा देखा। उन्होंने सिक्योरिटी कंपनी के अधिकारी को सूचना दी। मौके पर पहुंचे सिक्योरिटी कंपनी के अधिकारियों ने उन्हें गंभीर हालत में नोएडा के सेक्टर 24 स्थित ईएसआईसी अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां पर डॉक्टरों ने गार्ड धीरेंद्र कुमार को मृत घोषित कर दिया, जबकि दिनेश का उपचार चल रहा है।

थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक के परिजन मौके पर आ गए हैं। शुरूआती जांच में प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत हो रहा है कि गार्ड रूम में कार्बन डाइऑक्साइड बनने के कारण यह घटना हुई है। मामले की पूरी जांच की जा रही है।

जिम्स में एमबीबीएस बैच 2025 का व्हाइट कोट एवं शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

ग्रेटर नोएडा। सरकारी आयुर्विज्ञान संस्थान (गवर्नमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज-जिम्स), ग्रेटर नोएडा में मंगलवार को एमबीबीएस बैच 2025 के लिए भव्य व्हाइट कोट और शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के साथ संस्थान के सातवें एमबीबीएस बैच ने आधिकारिक रूप से चिकित्सा शिक्षा और पेशेवर जीवन की अपनी नई यात्रा की शुरुआत की। विद्यार्थियों को सफेद कोट प्रदान कर चिकित्सा पेशे में उनके औपचारिक प्रवेश का प्रतीकात्मक स्वागत किया गया। कार्यक्रम के दौरान जिम्स के निदेशक डॉ. ब्रिगेडियर राकेश गुप्ता ने कहा कि यह दिन छात्रों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि सफेद कोट केवल एक परिधान नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और जिम्मेदारी का प्रतीक है।

उन्होंने संस्थान की उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा शिक्षा प्रदान करने की प्रतिबद्धता को दोहराया। अकादमिक डीन डॉ. रंभा पाठक ने कॉलेज रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए नए बैच का गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने छात्रों को परिश्रम, संवेदनशीलता और नैतिक जिम्मेदारी के साथ अपने अध्ययन एवं भविष्य के पेशे को अपनाने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. सैयद अमजद अली रिजवी, प्रिंसिपल, जेएनएमसी (एएमयू, अलीगढ़) रहे, जिन्होंने अपने उद्बोधन में चिकित्सा पेशे की गरिमा और उससे जुड़े नैतिक कर्तव्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि डॉक्टर का पेशा सिर्फ इलाज नहीं, बल्कि विश्वास, करुणा और ईमानदारी का प्रतीक है। कार्यक्रम में जीबीयू के डीन अकादमिक प्रो. राजीव वर्मा बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनिरुद्ध सक्सेना, असिस्टेंट प्रोफेसर, कम्युनिटी मेडिसिन विभाग ने किया, जबकि आयोजन का समन्वय डॉ. अपराजिता पंवार, ऑफिसर इन-चार्ज, एकेडमिक ब्लॉक ने किया। समारोह के दौरान स्टूडेंट काउंसिल का इन्वेस्टिचर सेरेमनी भी संपन्न हुई। इसमें नए प्रतिनिधियों को दायित्व सौंपे गए, जिनमें अध्यक्षः अभिषेक कुमार सिंह (2022), उपाध्यक्षः प्रियांशु (2023), आईटी सचिवः अश्मित खरे (2024), कोषाध्यक्षः हर्षित तिक्खा (2024), अकादमिक सचिवः पार्थ सार्थी (2024), सांस्कृतिक सचिवः कनिषा मिर्ग (2024), आमिर हमीद (2024), खेल सचिवः आदि जोशी (2024), आरशी अग्रवाल (2024), स्टूडेंट वेलफेयर सचिवः कुशाग्र सक्सेना (2024), तनिष्का (2024) को दायित्व सौंपे गए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में फैकल्टी सदस्य, कर्मचारी और छात्रों के अभिभावक उपस्थित रहे। इनमें डॉ. रंजना वर्मा, डॉ. पी.एस. मित्तल, डॉ. मनीषा सिंह, डॉ. अर्चना गुप्ता, डॉ. इजेन भट्टाचार्य, डॉ. भारती भंडारी, डॉ. बी.एस. यादव, डॉ. सतेंद्र, डॉ. बृज मोहन, डॉ. एएस सहनी, डॉ. विकास सक्सेना सहित अन्य वरिष्ठ शिक्षकों ने शिरकत की।

कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण में एमबीबीएस 2025 बैच के सभी छात्रों को सफेद कोट पहनाया गया और बाद में चरक शपथ दिलवाई गई, जिसमें विद्यार्थियों ने मरीजों की सेवा को सर्वोपरि रखने और चिकित्सा नैतिकता का पालन करने का संकल्प लिया।

सीएम रेखा गुप्ता ने कैबिनेट मंत्रियों के साथ श्री दरबार साहिब में माथा टेका

❖ जनभावना टाइम्स

अमृतसर/नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता अपने छह कैबिनेट मंत्रियों के साथ सोमवार को श्री गुरु तेग़ बहादुर साहिब के 350वें स्मरणोत्सव के मौके पर स्वर्ण मंदिर में प्रार्थना करने के लिए अमृतसर पहुंचीं।

अमृतसर के श्री गुरु रामदास जी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर वरिष्ठ भाजपा नेताओं और अमृतसर शहर के अध्यक्ष हरविंदर संधू ने श्रीमती गुप्ता और उनके मंत्रियों का फूलों के गुलदस्ते और मालाओं से स्वागत किया। इसके बाद वह सीधा स्वर्ण मंदिर के लिए रवाना हो गईं। जहां वह गुरुघर में मत्था टेकेंगी। उनकी यह यात्रा राजनीतिक रूप से अहम होने के साथ-साथ धार्मिक सद्भाव और सांस्कृतिक एकता का संदेश देने वाली मानी जा रही है। स्वर्ण मंदिर की अपनी यात्रा की एक झलक शेयर करते हुए, श्रीमती गुप्ता ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि आज श्री हरमंदिर साहिब में मत्था टेकने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

इस पवित्र स्थल के दर्शन मात्र से ही अद्भुत शांति की अनुभूति होती है। हरमंदिर साहिब केवल एक धरोहर नहीं, बल्कि आध्यात्मिक ऊर्जा और सेवा का दिव्य केंद्र है, जहां आस्था कर्म में बदलती है और भक्ति चरित्र गढ़ती है। यहां सरबत दा भला की अरदास की और सभी के सुख, स्वास्थ्य व कल्याण के लिए प्रार्थना की। दिल्ली को लाल किले पर श्री गुरु तेग़ बहादुर साहिब जी के 350वें शहीदी दिवस को समर्पित भव्य समागम का सफलतापूर्वक आयोजन होना, वाहेगुरु जी की अनंत कृपा और गुरु साहिब का अपार आशीर्वाद है। प्रार्थना है कि वाहेगुरु जी हम सब पर अपनी मेहर बनाए रखें, हमें सेवा, करुणा और कर्तव्य-पथ पर अडिग रहने की शक्ति प्रदान करें। मुख्यमंत्री के दौरे की शुरुआत श्री हरिमंदिर साहिब से हो रही है—जो सिख आस्था और विश्व शांति का केंद्र माना जाता है। यहां वे गुरबाणी का आशीर्वाद लेंगी और समुदाय को शांति-समानता का संदेश देने की उम्मीद है।

इसके बाद मुख्यमंत्री गुप्ता का काफिला श्री दुर्गियाना मंदिर पहुंचेगा, जो अमृतसर की धार्मिक पहचान का एक प्रमुख प्रतीक है। यहां वे पूजा-अर्चना करेंगी और हिंदू धार्मिक परंपराओं का सम्मान प्रकट करेंगी। यह पड़ाव शहर की धार्मिक विविधता और सांस्कृतिक एकजुटता को रेखांकित करता है।

दौरे का अंतिम चरण श्री रात तीर्थ रहेगा। यह वही भूमि मानी जाती है जहां ऋषि वाल्मीकि रहे और जहां माता सीता ने निवास किया और लव-कुश का जन्म हुआ।

महापौर ने गुरुद्वारा कमेटी के सदस्यों संग की चर्चा

मुखर्जी नगर के विकास कार्यों का लिया जायजा

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह ने सोमवार को गुरुद्वारा कमेटी के सदस्यों के साथ उनकी विभिन्न परेशानियों को लेकर विस्तार से चर्चा की। बैठक में कमेटी ने अपने अनुभव और जमीनी समस्याएं खुलकर रखीं, जिन्हें गंभीरता से सुना गया। इसके साथ ही उन्होंने मुखर्जी नगर का दौरा कर विकास कार्यों का जायजा लिया।

महापौर ने चर्चा के उपरांत संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि उठाए गए मुद्दों पर तत्काल कार्रवाई की जाए और तय समय-सीमा में समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि धार्मिक संस्थाओं से जुड़े विषयों में लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और हर समस्या का व्यावहारिक व प्रभावी समाधान किया जाएगा। साथ ही राजा इकबाल सिंह ने मुखर्जी नगर का निरीक्षण कर स्थानीय निवासियों से भी बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और उन्हें आश्वस्त किया कि सभी आवश्यक कदम समयबद्ध तरीके से उठाए जा रहे हैं। इस दौरान उन्होंने स्थानीय निवासियों एवं निवासी कल्याण समिति (आरडब्ल्यूए) प्रतिनिधियों के साथ क्षेत्रीय समस्याओं और विकास से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की। महापौर ने कहा कि मैदान स्तर पर बेहतर सफाई, सुगम नागरिक सुविधाएं और समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना निगम की निरंतर प्राथमिकता है। जनभागीदारी ही मजबूत व सुशासित दिल्ली की आधारशिला।

संक्षिप्त खबरें

तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार को मारी टक्कर, मौत

नई दिल्ली। शाहदरा जिले के कृष्णा नगर थाना क्षेत्र में तड़के हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक 22 वर्षीय युवक की मौत हो गई। जबकि दो अन्य घायल हैं। घटना सुबह करीब 4:10 बजे हुई, जब एक कार ने मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। सूचना मिलते ही कृष्णा नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। यहां पुलिस को एक क्षतिग्रस्त बुलेट मोटरसाइकिल और डिवाइडर पर चढ़ी हुई लाल रंग की स्विफ्ट कार मिली, जो बुरी तरह क्षतिग्रस्त थी। शाहदरा जिले के पुलिस उपायुक्त प्रशांत गौतम ने बताया कि हादसे में सहबाज (22) को अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बाइक पर पीछे बैठा समीर (21) का इलाज चल रहा है। वहीं कार चालक ऋषभ (28) भी घायल हुए। वह संगम विहार के रहने वाले है। पुलिस ने मामले में तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाकर मौत का कारण बनने के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

कालिंदी कुंज में चाकूबाजी एक युवक की मौत

नई दिल्ली। दक्षिण पूर्वी जिले के कालिंदी कुंज थाना क्षेत्र के जेजे कॉलोनी मदनपुर खादर में रविवार शाम आरोपितों ने तीन लोगों को चाकू से गोद दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपित मौके से फरार हो गए।मामले की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने एक को मृत घोषित कर दिया। दक्षिण पूर्वी जिले के पुलिस उपायुक्त डॉ. हेमंत तिवारी ने बताया कि शानिवार शाम पुलिस को पीसीआर कॉल के जरिए घटना की सूचना मिली कि मदनपुर खादर में चाकूबाजी हुई है। सूचना मिलते मौके पर पुलिस पहुंची। मौके पर तीन युवक घायल अवस्था में मिले। जिन्हें बिना देरी अपोलो अस्पताल ले जाया गया। जहां इलाज के दौरान 19 वर्षीय विकास को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

शकरपुर इलाके में युवक की चाकू घोंपकर हत्या

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के शकरपुर इलाके में एक युवक की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सुरक्षित रखवा दिया है। पुलिस अधिकारी के अनुसार घटना शाम करीब 5:28 बजे हुई, जब पुलिस को पीसीआर कॉल के जरिए जानकारी मिली कि राम टेंट हाउस, मेन मार्केट के पास एक युवक को चाकू मार दिया गया है। सूचना मिलते ही थाना शकरपुर की पुलिस टीम मौके पर पहुंची। वहां सड़क पर खून बिखरा पड़ा था और आसपास भीड़ इकट्ठा थी। स्थानीय लोगों से पूछताछ में पता चला कि घायल युवक को लोगों ने पहले पटेल अस्पताल और बाद में गंभीर हालत के चलते एलएनजेपी अस्पताल रेफ़र कर दिया है। पुलिस अस्पताल पहुंची, जहां डॉक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने डकैती के मामले में छह आरोपितों को दबोचा

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। उत्तरी-पश्चिमी जिला पुलिस टीम ने जहांगीरपुरी थाना क्षेत्र में हुई डकैती की गुत्थी सुलझाते हुए छह आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से लूटी गई रकम में से 10,40,000, वारदात में इस्तेमाल दो मोटरसाइकिलें, पीड़ित की स्कूटी, और लूटी हुई रकम से खरीदी गई स्विफ्ट डिजायर कार व दो महंगे आई-फ़ोन बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपित हत्या, आर्म्स एक्ट, वाहन चोरी और झपटमारी जैसे संगीन मामलों में पहले भी शामिल रह चुके हैं।

उत्तर पश्चिमी जिले के पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने सोमवार को बताया कि 28 नवंबर की शाम करीब 7:45 बजे, शिकायतकर्ता रोशन लाल अपने कंपनी मालिक लक्ष्य लांबा के लिए 36 लाख नकद लेकर स्कूटी से रोहिणी की तरफ जा रहे थे। जब वह मुकुंदपुर फ्लाईओवर के पास पहुंचे, तभी दो मोटरसाइकिलों पर आए बदमाशों ने उनकी स्कूटी को धक्का देकर गिरा दिया। एक आरोपित ने चाकू से उन पर 3–4 बार हमला किया। घायल रोशन लाल किसी तरह जान बचाकर भाग निकले।

जबकि आरोपित नगदी से भरा बैग और स्कूटी लेकर फरार हो गए। पुलिस ने शिकायतकर्ता के बयान पर मुकदमा दर्ज किया। पुलिस उपायुक्त के अनुसार मामले को गंभीरता से लेते हुए स्थानीय पुलिस के अलावा जिले की एंटी-बर्गलरी सेल व स्पेशल स्टाफ को लगाया गया। संयुक्त टीमों ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले और मुखबिरों को सक्रिय किया। लगातार छापेमारी के बाद पुलिस ने पहले अमन, मनीष उर्फ डॉन, प्रिंस उर्फ आवारा और अर्शद को दबोचा।

दिल्ली ब्लास्ट केस: चार आरोपियों की एनआईए कस्टडी 4 दिन बढ़ी

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली में हुए ब्लास्ट मामले की जांच लगातार आगे बढ़ रही है। इसी सिलसिले में पटियाला हाउस कोर्ट ने सोमवार को गिरफ्तार चार आरोपियों की एनआईए कस्टडी 4 दिन और बढ़ा दी है।

इन आरोपियों में डॉ. मुजम्मिल, डॉ. शाहीन सईद, मुफ्ती इरफान अहमद और आदिल अहमद के नाम शामिल हैं। इन आरोपियों को 10 दिन की पिछली कस्टडी पूरी होने के बाद अदालत में पेश किया गया था। अब एजेंसी को उनसे आगे की पूछताछ के लिए अतिरिक्त समय मिल गया है। इससे पहले 5 दिसंबर को अदालत ने एक अन्य आरोपी शोएब की एनआईए कस्टडी 10 दिन और बढ़ाने की मंजूरी दी थी। एजेंसी का आरोप है कि शोएब ने धमाके से ठीक पहले आतंकवादी उमर नबी को पनाह दी थी और उसे लॉजिस्टिक सपोर्ट प्रदान किया था।

एनआईए का कहना है कि शोएब की भूमिका साजिश के महत्वपूर्ण हिस्से को समझने में बेहद अहम है। 2 दिसंबर को एनआईए ने इस केस के मुख्य आरोपी आमिर रशीद अली की कस्टडी 7 दिन और बढ़ा दी थी। आमिर को 16 नवंबर को गिरफ्तार किया गया था और एजेंसी को पहले उसकी 10 दिन की रिमांड मिली थी।

शुरुआती पूछताछ के दौरान एनआईए को कई अहम सुराग मिले, जिसके आधार पर हिरासत बढ़ाने की मांग की गई। जांच में यह सामने आया कि धमाके में इस्तेमाल की गई कार का मालिक खुद आमिर था। एजेंसी के अनुसार, उसने न सिर्फ आत्मघाती हमलावर के साथ साजिश रची बल्कि हमले की तैयारियों में भी सक्रिय भूमिका निभाई। दिल्ली पुलिस से केस अपने हाथ में लेने के बाद एनआईए ने कई राज्यों में छापेमारी की, जिसके बाद आमिर को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया। एनआईए इस पूरे मॉड्यूल को तोड़ने के लिए लगातार कई राज्यों में छापेमारी कर रही है। एजेंसी का लक्ष्य इस नेटवर्क से जुड़े हर सदस्य की पहचान करना और उसे गिरफ्तार करना है।

जांचकर्ता सभी संभावित सुरागों को इकट्ठा कर यह समझने की कोशिश में हैं कि हमला कैसे प्लान किया गया और किन-किन लोगों की इसमें भूमिका रही।

देवी बस रूट 770 1ए को मैदान गढ़ी तक बढ़ाया गया

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने देवी बस रूट 7701ए को साउथ एशियन यूनिवर्सिटी के मौजूदा टर्मिनल रूट से आगे बढ़ाते हुए एम्स–सीएपीएफआईएमएस (सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्सेज इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेज) मैदान गढ़ी तक बढ़ाने के लिए मंजूरी दे दी है। दिल्ली सरकार ने यह फैसला एम्स-सीएपीएफआईएमएस के बस सेवा को मैदान गढ़ी तक बढ़ाने की गुजारिश के बाद लिया है, जिन्होंने स्टाफ के सुलभ परिवहन और सुरक्षित यात्रा के साथ बस कनेक्टिविटी बनाए रखने के लिए विशेष तौर पर सुबह और शाम के समय मेट्रो नेटवर्क और इंस्टीट्यूट के बीच डीटीसी की भरोसेमंद कनेक्टिविटी की आवश्यकता बताई थी।

दिल्ली के परिवहन मंत्री डॉक्टर पंकज

कुमार सिंह ने सोमवार को एक विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि हमारी सरकार की यह पहल सुबह और देर शाम के समय यात्रियों की सुरक्षा और सुगम सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था मुहैया कराने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मौजूदा देवी बसों के बेहतर इस्तेमाल के साथ छतरपुर-मैदान गढ़ी इलाके में कई बड़े एजुकेशनल और मेडिकल इंस्टीट्यूशन के साथ सार्वजनिक परिवहन नेटवर्क को और अधिक मजबूत करेगा। यह हमारी सरकार के रूट रेशनलाइजेशन और राजधानी दिल्ली में बेहतर लास्ट माइल कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के विजन के अनुरूप है। फिलहाल देवी बस रूट नंबर- 7701ए छतरपुर मेट्रो स्टेशन और साउथ एशियन यूनिवर्सिटी के बीच सुबह और शाम हर शिफ्ट में चार-चार ट्रिप में संचालित हो रही है।

दिल्ली सरकार के इस फैसले के यह बस सेवा अब एक्सटेंशन के साथ उसी कॉरिडोर पर एम्स–सीएपीएफआईएमएस तक जारी रहेगी, जिसके लिए एक नया टर्मिनल फेयर स्टेज को जोड़ा गया है। रूट के विस्तार के बाद यह बस सेवा छतरपुर मेट्रो स्टेशन से चलेगी, जो छतरपुर मंदिर, छतरपुर गांव, छतरपुर एक्सटेंशन, नंदा हॉस्पिटल, सतबाड़ी क्रॉसिंग और साउथ एशियन यूनिवर्सिटी होते एम्स–सीएपीएफआईएमएस तक जाएगा और फिर उसी मार्ग से वापस लौटेगी।

इस बस रूट के एक्सटेंशन से अब हर दिशा में कुल यात्रा की लंबाई लगभग 1.5 किलोमीटर तक बढ़ जाएगी। बस रूट नंबर 7701ए के मौजूदा संचालन एक्सटेंशन के बाद सुबह चार और शाम चार बजे के ट्रिप के पैटर्न में कोई बदलाव नहीं होगा। छतरपुर मेट्रो स्टेशन से एम्स–सीएपीएफआईएमएस के लिए बस का संचालन रोजाना सुबह 08:30, 09:00, 09:30 और 10:00 बजे तक होगी और फिर शाम को 16:00, 16:30, 17:00 और 17:30 बजे तक निर्बाध रूप से जारी रहेगा। ठीक इसी तरह एम्स–सीएपीएफआईएमएस से छतरपुर मेट्रो स्टेशन के लिए रिटर्न बस का ट्रिप सुबह लगभग 09:00, 09:30, 10:00 और 10:30 बजे तक और शाम को 16:30, 17:00, 17:30 और 18:00 बजे तक उपलब्ध रहेगा।

वंदे मातरम के 150 साल पर सबसे बड़ा तोहफा

पीओके और चीन से जमीन वापस लेनी होगी : सौरभ भारद्वाज

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष और ग्रेटर कैलाश के पूर्व विधायक सौरभ भारद्वाज ने सोमवार को 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूरे होने के मौके पर सरकार पर तीखा हमला बोला।

सौरभ भारद्वाज ने पत्रकार वार्ता में कहा कि अगर प्रधानमंत्री मोदी सचमुच 'वंदे मातरम' को देश की जनता को सबसे बड़ा उपहार देना चाहते हैं तो पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को भारत में वापस लाएं और चीन द्वारा भारतीय जमीन हथियाई है, उसे भी छुड़वाएं। उन्होंने कहा कि थोड़ी देर टीवी पर प्रधानमंत्री बोल दें, विपक्ष कुछ बोल दे, बहस हो जाए इससे क्या होता है? 'वंदे मातरम' तब असली अर्थों में सार्थक होगा जब ये सारी जमीनें देश में वापस आएंगी। जब ये वादे पूरे नहीं हो सकते तो उन्हें वापस लिया जाए।

डिलीवरी बॉय से लूट मामले में दो आरोपी गिरफ्तार, चाकू और बाइक बरामद

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने डिलीवरी बॉय से लूटपाट के मामले में दो बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों आरोपियों से वारदात में इस्तेमाल चाकू और बुलेट मोटरसाइकिल भी बरामद की गई है।

वेलकम पुलिस थाने को शुक्रवार को सूचना मिली थी कि जनता कॉलोनी के पास डिलीवरी बॉय के साथ कुछ लोग लूटकर फरार हो गए हैं। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची तो पीड़ित आलोक कुमार ने बताया कि बुलेट बाइक पर सवार दो युवकों ने चाकू दिखाकर उनसे 1,200 रुपए लूट लिए। जब उसने इसका विरोध किया तो उसे चाकू से मारने की धमकी दी। आलोक कुमार ने आगे बताया कि जब मैंने शोर मचाया तो आसपास के लोग एकत्र हो गए और एक आरोपी को दौड़कर पकड़ लिया, जिसकी पहचान फैजान (20) निवासी जनता कॉलोनी, वेलकम के रूप में हुई। पुलिस ने मामला दर्ज कर पकड़े गए आरोपी से पूछताछ की। पूछताछ में फैजान ने न सिर्फ लूट की वारदात कबूल की, बल्कि अपने साथी का नाम भी बताया।

दिल्ली विश्वविद्यालय में शिक्षक-शोधार्थियों का संकट बरकरार

अकादमिक परिषद में उठने के बाद भी नहीं सुलझा मामला

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय में योग्य शोधार्थियों और शिक्षकों को साक्षात्कार में शामिल किए जाने तथा ए.पी.आई. व्यवस्था को हटाने की मांग को लेकर चल रहा धरना उन्नीसवें दिन भी जारी रहा।

सभी शिक्षक संगठनों, डूटा के समर्थन और दिल्ली विश्वविद्यालय की अकादमिक परिषद में मुद्दा उठाए जाने के बावजूद प्रशासन अब तक इस पर कोई ठोस निर्णय नहीं ले सका है। स्थिति यह है कि धरने पर बैठे कई शिक्षकों की तबीयत बिगड़ने लगी है, फिर भी संघर्ष का जज्बा कम नहीं हुआ है। धरना दे रहे शिक्षक-शोधार्थियों का आरोप है कि विश्वविद्यालय ने स्थायी नियुक्ति प्रक्रिया में मनमाने बदलाव कर हजारों योग्य अभ्यर्थियों को साक्षात्कार चरण से बाहर कर दिया है।

उनका कहना है कि वे वर्षों से नियुक्ति प्रक्रिया में सम्मिलित होते रहे हैं, किंतु इस बार विश्वविद्यालय ने नियमों में ऐसे परिवर्तन किए हैं जो यूजीसी शिक्षक पात्रता नियम 2018 तथा उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के विपरीत हैं। अभ्यर्थियों ने आंदोलन और पत्राचार के माध्यम से अपनी बात अनेक बार प्रशासन तक पहुंचाई, परंतु अब तक किसी मांग पर विचार नहीं किया गया है।

प्रखर ठंड के बीच बिना पर्याप्त व्यवस्था के धरना दे रहे शिक्षकों और शोधार्थियों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। कई बार तंबू और बुनियादी सुविधाओं की मांग करने के बावजूद प्रशासन की ओर से कोई पहल नहीं की गई है, जिससे आंदोलनकारियों में रोष बढ़ रहा है। धरनास्थल पर पहुंचे एस.एस. सागर और पूर्व कार्यकारी परिषद सदस्य राजेश झा ने शिक्षकों-शोधार्थियों से संवाद कर उनका मनोबल बढ़ाया।

उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन से मांगों पर तुरंत संज्ञान लेने और योग्य अभ्यर्थियों के हितों की रक्षा करने की अपील की। लगातार बढ़ता दबाव और प्रशासन की चुप्पी इस विवाद को और गंभीर बना रही है, जबकि शिक्षक-शोधार्थियों ने संकेत दिया है कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र निर्णय न हुआ तो वे और कठोर कदम उठाने को बाध्य होंगे।

संपादकीय

आय की गणना और खर्च की गणना

जीडीपी वृद्धि दर को जितनी मोटी सुर्खियों में दिखाया जाता है, उतने ही ध्यानाकर्षक ढंग से यह नहीं बताया जाता कि यह दर किस आधार पर हासिल हुई और कुल (नोमिनल) और वास्तविक वृद्धि दर में कितना फर्क है। जुलाई से सितंबर तिमाही के जीडीपी आंकड़ों ने एक तरह का कौतुक पैदा किया है। जिस समय डॉलर की तुलना में रुपये की कीमत गिरने के बावजूद व्यापार घाटा बढने का ट्रेंड हो, 8.2 फीसदी की वृद्धि दर हासिल करना अपने-आप में करिश्माई है। वैसे जीडीपी वृद्धि दर को जितनी मोटी सुर्खियों में दिखाया जाता है, उतने ही ध्यानाकर्षक ढंग से यह नहीं बताया जाता कि यह दर किस आधार पर हासिल हुई और कुल (नोमिनल) और वास्तविक वृद्धि दर में कितना फर्क है। 2024-25 में भारत की जीडीपी वृद्धि दर सात तिमाहियों में सबसे निम्न स्तर पर रही थी। स्पष्टतः उस निम्न आधार के कारण ताजा दर काफी ऊंची नजर आती है। इस बार नोमिनल जीडीपी 8.07 प्रतिशत दर्ज हुई। सरकार ने इससे 0.5 प्रतिशत मुद्रास्फीति दर को घटाया, इसलिए वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 8.2 फीसदी बताई गई है। मगर दूसरी तिमाही में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति दर 1.9 प्रतिशत थी। पहले के चलन के तहत अगर नोमिनल दर को इससे डिफ्लेट किया जाता (यानी इसे घटाया जाता), तो जीडीपी वृद्धि दर 6.3 प्रतिशत नजर आती। बहरहाल, ये सब आंकड़ों की बातें हैं। उन्हीं आंकड़ों का, जिन्हें जुटाने की विधि, आधार वर्ष, और अन्य खामियों को कारण बताते हुए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने सी ग्रेड में डाल दिया है। आईएमएफ के मुताबिक भारत के राष्ट्रीय खाता की संख्याओं में ऐसी खामियां हैं, जिनकी वजह से अर्थव्यवस्था के वास्तविक प्रदर्शन की निगरानी बाधित हो जाती है। उसने ध्यान दिलाया है कि भारत के संदर्भ में जीडीपी को मापने के दोनों तरीकों- आय की गणना और खर्च की गणना- से आने वाली संख्या में ठोस फर्क आ जाता है। भारत में जीडीपी सरकार, जनता और कंपनियों की आय के आधार पर मापी जाती है। आदर्श स्थिति वह होती है कि जब उनके खर्च को आधार बनाया जाए, तब भी संख्या कमोबेस समान रहे। मगर भारत में ऐसा नहीं हो रहा है। इससे जीडीपी आंकड़ा समस्याग्रस्त हो जाता है। यह गंभीर टिप्पणी है। इसका परिणाम होगा कि भारत की ऊंची वृद्धि दर को अनेक हलकों में संदेश की निगाह से देखा जाएगा।

भारतीय रुपए का अवमूल्यन विमर्श का नया अवसर

> *सबसे महत्वपूर्ण कारण है ट्रम्प प्रशासन द्वारा वैश्विक व्यापार पर बढ़ाया गया टैरिफ दबाव। अमेरिका ने विभिन्न देशों से आयातित उत्पादों पर उच्च शुल्क लागू किए हैं, और भारत से होने वाले कुछ विशेष निर्यातों जैसे रेडीमेड गारमेंट्स, कृषि व लेदर उत्पाद, समुद्री जीव उत्पाद तथा जेम्स एवं ज्वेलरी पर तो 50 प्रतिशत तक टैरिफ लगा दिया गया है। इसके परिणामस्वरूप भारत से इन उत्पादों का निर्यात प्रभावित हुआ है और डॉलर का अंतरप्रवाह कम हुआ है। हाल की तिमाही में भारत का कुल आयात 18,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर रहा जबकि निर्यात मात्र 10,500 करोड़ डॉलर रहा, जिससे 8,000 करोड़ डॉलर का भारी व्यापार घाटा बना। अक्टूबर 2025 में विदेशी व्यापार घाटा और बढ़कर 4,100 करोड़ डॉलर के रिकार्ड स्तर पर पहुँच गया। व्यापार घाटे की यह वृद्धि भारत में अमेरिकी डॉलर की मांग को बढ़ाती है, जिससे रुपए पर अवमूल्यन का दबाव और तेज हो जाता है। दूसरा बड़ा कारण विदेशी संस्थागत निवेशकों (FII) द्वारा भारतीय पूंजी बाजार से तीव्र निवेश निकासी है।*

- प्रहलाद सबनानी

माह जनवरी 2025 में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा बाजार में भारतीय रुपए का मूल्य 85.79 रुपए प्रति अमेरिकी डॉलर था, किंतु 3 दिसम्बर 2025 तक रुपए का मूल्य लगभग 5 प्रतिशत गिरकर 90.19 रुपए प्रति डॉलर हो गया। यह गिरावट हाल के समय की सबसे बड़ी दर्ज गिरावटों में से एक है। आश्चर्य की बात यह है कि जब भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती के कई संकेत दे रही है, जैसे वित्तीय वर्ष 2025-26 की द्वितीय तिमाही में आर्थिक विकास दर 8.2 प्रतिशत के आठ-तिमाही उच्च स्तर पर पहुँचना और खुदरा मुद्रास्फीति का मात्र 0.25 प्रतिशत के निम्न स्तर पर आ जाना, तब भी एशियाई देशों में मुद्रा अवमूल्यन की दृष्टि से भारतीय रुपया सबसे तेज गिरावट वाला दिखाई दे रहा है। इसका स्पष्ट संकेत है कि भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती के बावजूद कुछ वैश्विक आर्थिक घटनाक्रम रुपए पर नकारात्मक दबाव बना रहे हैं।

सबसे महत्वपूर्ण कारण है ट्रम्प प्रशासन द्वारा वैश्विक व्यापार पर बढ़ाया गया टैरिफ दबाव। अमेरिका ने विभिन्न देशों से आयातित उत्पादों पर उच्च शुल्क लागू किए हैं, और भारत से होने वाले कुछ विशेष निर्यातों जैसे रेडीमेड गारमेंट्स, कृषि व लेदर उत्पाद, समुद्री जीव उत्पाद तथा जेम्स एवं ज्वेलरी पर तो 50 प्रतिशत तक टैरिफ लगा दिया गया है। इसके परिणामस्वरूप भारत से इन उत्पादों का निर्यात प्रभावित हुआ है और डॉलर का अंतरप्रवाह कम हुआ है। हाल की तिमाही में भारत का कुल आयात 18,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर रहा जबकि निर्यात मात्र 10,500 करोड़ डॉलर रहा, जिससे 8,000 करोड़ डॉलर का भारी व्यापार घाटा बना। अक्टूबर 2025 में विदेशी व्यापार घाटा और बढ़कर 4,100 करोड़ डॉलर के रिकार्ड स्तर पर पहुँच गया। व्यापार घाटे की यह वृद्धि भारत में अमेरिकी डॉलर की

मांग को बढ़ाती है, जिससे रुपए पर अवमूल्यन का दबाव और तेज हो जाता है।

दूसरा बड़ा कारण विदेशी संस्थागत निवेशकों (FII) द्वारा भारतीय पूंजी बाजार से तीव्र निवेश निकासी है। वर्ष 2025 में अब तक FII ने 1.48 लाख करोड़ रुपए अर्थात 1,640 करोड़ अमेरिकी डॉलर मूल्य का निवेश निकाल लिया है। वे यह धन डॉलर में ही निकालते हैं, जिससे बाजार में डॉलर की मांग बढ़ती है और रुपए की कीमत और कमजोर होती जाती है। सामान्यतः दुनिया की अर्थव्यवस्थाएँ अपनी मुद्रा को स्थिर एवं मजबूत बनाए रखने का प्रयास करती हैं ताकि विदेशी निवेशकों का विश्वास बढ़े, परंतु मुद्रा के अवमूल्यन का दूसरा पक्ष यह भी है कि इससे निर्यातकों को अधिक स्थानीय मुद्रा प्राप्त होती है और उनकी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ती है। हालांकि आयात महँगे हो जाते हैं और मुद्रास्फीति की आशंका उत्पन्न होती है, विशेषकर भारत जैसा देश जहाँ कच्चे तेल का भारी आयात होता है।

रुपए के तेज अवमूल्यन की स्थिति में भारतीय रिजर्व बैंक प्रायः हस्तक्षेप करते हुए बाजार में डॉलर की उपलब्धता बढ़ाता है। मध्य सितम्बर 2025 तक RBI 2,000 करोड़ डॉलर बाजार में जारी कर चुका था, परंतु हाल के समय में RBI द्वारा कोई सीधा हस्तक्षेप नहीं किया गया। इसका उद्देश्य यह प्रतीत होता है कि वैश्विक व्यापार अस्थिरता की स्थिति में निर्यातकों को राहत देते हुए रुपए को कुछ समय कमजोर बने रहने दिया जाए। वैसे भी भारत के पास 68,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर का सुदृढ़ विदेशी मुद्रा भंडार है, जिसका उपयोग आवश्यकता पड़ने पर पर्याप्त डॉलर उपलब्ध कराने में किया जा सकता है। किंतु दीर्घकाल में समाधान यही है कि भारत अपने आयात को कम करे, निर्यात में वृद्धि करे और विदेशी व्यापार घाटे पर नियंत्रण स्थापित करे। भारत में सबसे अधिक आयात होने वाले दो प्रमुख उत्पाद कच्चा तेल और स्वर्ण हैं। ऊर्जा की बढ़ती मांग को देखते हुए कच्चे तेल पर निर्भरता कम करने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा विशेषकर सौर एवं पवन ऊर्जा के उत्पादन को बढ़ाना एक स्थायी समाधान है। केंद्र सरकार इस दिशा में लगातार कार्यरत है और उल्लेखनीय सफलता भी प्राप्त हो रही है। इसी प्रकार स्वर्ण आयात को कम करने के लिए घरेलू उत्पादन बढ़ाने पर भी गंभीरता से विचार करना आवश्यक है। यदि भारत कच्चे माल का अधिकाधिक घरेलू उत्पादन सुनिश्चित कर ले और उत्पादन लागत को कम कर ले, तो भारतीय उत्पाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी बन सकते हैं।

उत्पादन की लागत को कम करने हेतु ब्याज दरों में कमी एक महत्वपूर्ण कदम होता है। इसी दिशा में भारतीय रिजर्व बैंक ने 5 दिसम्बर 2025 को रेपो दर को 5.50 प्रतिशत से घटाकर 5.25 प्रतिशत कर दिया। साथ ही, 21 नवम्बर 2025 से देश में लागू की गई चार श्रम संहिताओं वेतन संहिता 2019, औद्योगिक संबंध संहिता 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020 तथा व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य शर्त संहिता 2020 ने श्रम कानूनों की जटिलताओं को कम करके उन्हें अधिक कारगर बनाया है। इन चार संहिताओं द्वारा पूर्व में लागू 29 श्रम कानूनों को सरल, आधुनिक और प्रभावी बनाया गया है। इससे न केवल श्रमिकों को उचित वेतन, सामाजिक सुरक्षा और बेहतर कार्य परिस्थितियाँ मिलेंगी, बल्कि उद्योगों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार होगा, जिससे उत्पादनशीलता में वृद्धि होगी और रोजगार के नए अवसर उत्पन्न होंगे। श्रमिकों की उत्पादकता बढ़ने से उत्पादन लागत घटेगी और भारतीय उत्पाद वैश्विक प्रतिस्पर्धा में और मजबूत होंगे। यह सुधार भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

भारत को अपने विदेशी मुद्रा भुगतान संतुलन को संतुलित बनाए रखने के लिए धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा देना चाहिए। धार्मिक पर्यटन विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करता है और विदेशी मुद्रा का प्रवाह बढ़ाता है। सरकार द्वारा अयोध्या, वाराणसी, उज्जैन, माता वैष्णोदेवी, प्रयागराज, केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री तथा अन्य धार्मिक नगरों में आधुनिक आधारभूत सुविधाओं के विकास ने विश्वभर के पर्यटकों को आकर्षित किया है। अयोध्या में श्रीराम मंदिर एवं संपूर्ण नगर के पुनर्विकास ने धार्मिक पर्यटन की नई सम्भावनाएँ खोली हैं। इन शहरों में श्रद्धालुओं, विशेषकर विदेशी पर्यटकों, की संख्या में भारी वृद्धि भारत के विदेशी मुद्रा भंडार के लिए सकारात्मक साबित हो रही है।

समग्रतः देखा जाए तो कभी-कभी वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों के बीच देश अपनी मुद्रा को नियंत्रित रूप से अवमूल्यित होने देते हैं, क्योंकि इससे निर्यात बढ़ने में सहायता मिलती है और दीर्घकाल में यह कदम देशहित में उपयोगी सिद्ध होता है। अतः वर्तमान परिप्रेक्ष्य में रुपए का अवमूल्यन कई वैश्विक कारकों की उपज है, न कि भारतीय अर्थव्यवस्था की कमजोरी का संकेत। यदि भारत निर्यात में वृद्धि, आयात में कमी, ऊर्जा आत्मनिर्भरता, उत्पादन लागत में कमी तथा श्रम सुधारों के मार्ग पर आगे बढ़ता रहा, तो यह स्थिति भविष्य में भारतीय अर्थव्यवस्था को और अधिक मजबूत करने का अवसर भी प्रदान कर सकती है।

गोवा की त्रासदी और भ्रष्टाचार की वह आग जिसने 25 जीवन छीन लिए

-कैलाश चन्द्र

गोवा की वह रात आज भी भारत की सामूहिक स्मृति में एक गहरे घाव की तरह दर्ज है, एक ऐसा घाव जिसका दर्द सिर्फ उन 25 परिवारों ने नहीं झेला जिनके घरों के चिराग उस हादसे में बुझ गए, इसे तो पूरे समाज ने महसूस किया है। सिलेंडर विस्फोट सिर्फ एक दुर्घटना नहीं है; वह उस अदृश्य लेकिन सर्वव्यापी दानव भ्रष्टाचार का नग्न, क्रूर और निर्दयी चेहरा है जिसने मानव जीवन की पवित्रता को पैसों की चकाचौंध में कुचलकर रख दिया।

वह क्लब जिसे नियमों के अनुसार ध्वस्त कर दिया जाना चाहिए था, जहाँ कानूनी मानकों का पालन अनिवार्य था, वहाँ कुछ व्यक्तियों के लालच ने कानून को अपनी जेब में रखा और रिश्वत की आग में जन जीवन की सुरक्षा को भस्म कर दिया। यह वही क्षण था जहाँ प्रशासनिक सत्य दम तोड़ गया और भ्रष्टाचार एक मौन हत्यारे की तरह भीतर तक उतर गया। परिणाम 25 जीवन राख में बदल गए, 25 परिवारों के भविष्य दफन हो गए और अनगिनत सपनों की लौ हमेशा के लिए बुझ गई।

भ्रष्टाचार की सबसे भयावह सच्चाई यही है कि उसका दंड अकसर अपराधी को नहीं मिलता; वह उन निर्दोष लोगों पर टूटता है जिनका अपराध से कोई लेना देना ही नहीं होता। यही सामाजिक त्रासदी है और यही

हमारी सामूहिक नैतिक विफलता। इस घटना में दोष उन हाथों का है जिन्होंने नियमों की अनदेखी की, कागजों पर झूठी अनुमति लिखी, निरीक्षण को औपचारिकता में बदल दिया और एक इमारत को गैर कानूनी सहारे पर खड़ा रहने दिया। पर दंड मिला उन मासूम लोगों को, जो न आनंद की रात की कल्पना से बाहर थे और न किसी खतरे की आहट से परिचित। जीवन कभी-कभी इतनी निर्ममता से इंसाफ करता है कि दोषी बच निकलते हैं और निर्दोष बेबस होकर दंडित हो जाते हैं। गोवा की यह त्रासदी उसी विडंबना का सबसे दर्दनाक उदाहरण है।

इस हादसे की जड़ में मात्र तकनीकी खामियाँ नहीं हैं। अग्निशमन यंत्र नहीं थे, सुरक्षा द्वार अनुपस्थित थे, आपातकालीन रास्ते अपर्याप्त थे, पर यह केवल आधा सच है। पूरा सच तो वह है जिसे समाज बोलते हुए भी डरता है। इस त्रासदी की नींव उस भ्रष्ट मानसिकता ने रखी थी जो वर्षों से कानून का गला उसी तरह दबाती रही है जैसे रात में वह आग ने उन 25 लोगों का दम घोंट दिया। रिश्वत की वह अदृश्य मुद्रा, अनुमतियों का वह छलावा, निरीक्षण की वह औपचारिकता और प्रभावशाली लोगों का वह दबदबा, इन सबने मिलकर उस इमारत को बचाए रखा जो गिरनी चाहिए थी। जब वह इमारत गिरी, तो अपने साथ केवल दीवारें नहीं गिरीं, माएँ गिरीं, पिता गिरे, बच्चों की हँसी गिरी, परिवारों का भविष्य गायब हो गया। यही भ्रष्टाचार का स्वभाव है। वह केवल नैतिकता नहीं खाता, वह जीवन खाता है, विश्वास खाता है और समाज की रीढ़ को खोखला कर देता है।

भारतीय दर्शन ने सदियों पहले चेतावनी दी थी कि अधर्म का अंत निश्चित है; धर्म की रक्षा करने वाला ही सुरक्षित रहता है। यह केवल धार्मिक उपदेश नहीं है, यह तो समाज व्यवहार का कठोर मनोवैज्ञानिक सिद्धांत है। भ्रष्टाचार से कमाया गया हर पैसा, हर सुविधा, हर अनुचित लाभ एक कर्म ऋण लेकर आता है। एक ऐसा ऋण जिसे समय किसी न किसी रूप में वसूल ही लेता है। कई बार प्रकृति वह दंड उसी से नहीं लेती जिसने गलती की; वह दंड समाज को सहना पड़ता है, व्यवस्था को चुकाना पड़ता है या किसी मासूम की अकाल मृत्यु के रूप में सामने आता है। गोवा की यह घटना इस कर्म ऋण की भयावह परिणति है!

हम अक्सर कहते हैं कि भ्रष्टाचार सिस्टम की कमजोरी है, पर गोवा का सच कहता है कि भ्रष्टाचार दरअसल एक मानव हत्या की प्रक्रिया है। यह किसी एक विभाग, एक अफसर, एक व्यापारी का दोष नहीं; यह समाज के उस सामूहिक मौन का परिणाम है जहाँ कानून को कमजोर करने वालों को हम देखते तो हैं, पर हाथ नहीं उठाते, गलत को पहचानते हैं, पर बोलने का साहस नहीं करते। जब कानून की जगह पैसे का असर ले लेता है और नैतिकता की जगह लाभ का गणित बैठ जाता है, तब दुर्घटनाएँ आकस्मिक नहीं रह जातीं, वे नियोजित परिणाम बन जाती हैं। सुरक्षा एक भ्रम की तरह टूटता है और जीवन एक संख्या में बदल जाता है।

अब प्रश्न यह है कि क्या हम केवल आँकड़ों तक सीमित रहने वाले समाज बन जाएँगे? क्या 25 की संख्या हमें एक दिन रुलाएगी और अगले दिन हम आगे बढ़ जाएँगे? क्या मासूमों का यह बलिदान केवल कुछ दिनों की खबर बनकर रह जाएगा या यह हमें भीतर तक झकझोर कर उत्प्रेरित करेगा कि भ्रष्टाचार किसी एक का दोष नहीं। यह हमारी सामूहिक सहिष्णुता की उपज है। यदि समाज भ्रष्टाचार को सामान्य मानकर चलता रहेगा, तो ऐसी त्रासदियाँ अपवाद नहीं, धीरे धीरे नियम बन जाएँगी। ऐसे में यही वह क्षण है जहाँ हमें अपने भीतर झाँकना होगा। हम कहाँ चूक रहे हैं? कब जागेंगे? कब बोलेंगे? कब विरोध करेंगे?

गोवा की यह पीड़ा चेतावनी है कि भ्रष्टाचार का फल कभी न कभी प्रकट होता ही है। चाहे सत्ता के पतन में, चाहे परिवारों के विनाश में, चाहे मासूम जीवन की अकाल मृत्यु में। केवल अपराधी का नाम ढूँढ लेना पर्याप्त नहीं; समाज को स्वयं से भी पूछना होगा कि हम कब जागेंगे? हम अपने आचरण में कब परिवर्तन लाएँगे? सावधानी हटी, दुर्घटना घटी। यह शब्द कहावत तक सीमित नहीं हैं, ये एक जन त्रासदी का कठोर सत्य है। अब प्रश्न यह नहीं कि दोषी कौन है; बल्कि यह है कि भविष्य में ऐसे हादसों को रोकने की सामूहिक जिम्मेदारी कौन उठाएगा? व्यक्ति, समाज, प्रशासन और सरकार सभी को विचार करना होगा, निर्णय लेना होगा और कार्रवाई करनी होगी। सबसे आसान है नियति को दोष देकर आगे बढ़ जाना; पर मानवता उससे कहीं बड़ा प्रश्न पूछती है कि क्या 25 जीवनों का मूल्य केवल शोक के कुछ शब्दों में सिमट सकता है या हम उनका कर्ज जिम्मेदारी बनकर चुकाएँगे।

आप भी जान लीजिए भगवान को नैवेद्य चढ़ाने के 12 खास नियम

देवताओं का नैवेद्य यानी देवी-देवताओं के निवेदन के लिए जिस भोज्य द्रव्य का प्रयोग किया जाता है, उसे नैवेद्य कहते है। उसे अन्य नाम जैसे भोग, प्रसाद, प्रसादी आदि भी कहा जाता है। यहां पाठकों के लिए प्रस्तुत है देवताओं को नैवेद्य अर्पित करने के कुछ नियम, जिन्हें अपना कर आप भगवान की कृपा प्राप्त कर सकते है।

धर्मकर्म

नैवेद्य चढ़ाने के नियम...

- देवता को निवेदित करना ही नैवेद्य है। सभी प्रकार के प्रसाद में निम्न पदार्थ प्रमुख रूप से रखे जाते हैं-दूध-शकर, मिश्री, शकर-नारियल, गुड़-नारियल, फल, खीर, भोजन इत्यादि पदार्थ।
- तैयार सभी व्यंजनों से थोड़ा-थोड़ा हिस्सा अग्निदेव को मंत्रोच्चार के साथ स्मरण कर समर्पित करें। अंत में देव आचमन के लिए मंत्रोच्चार से पुनः जल छिड़कें और हाथ जोड़कर नमन करें।
- पीतल की थाली या केले के पत्ते पर ही नैवेद्य परोसा जाए।
- प्रत्येक पकवान पर तुलसी का एक पत्ता रखा जाता है।
- नैवेद्य की थाली तुरंत भगवान के आगे से हटाना नहीं चाहिए।
- शिव जी के नैवेद्य में तुलसी की जगह बेल और गणेश जी के नैवेद्य में दूर्वा रखते हैं।
- नैवेद्य देवता के दक्षिण भाग में रखना चाहिए।
- कुछ ग्रंथों का मत है कि पक्व नैवेद्य देवता के बाईं तरफ तथा कच्चा दाहिनी तरफ रखना चाहिए।
- भोग लगाने के लिए भोजन एवं जल पहले अग्नि के समक्ष रखें। फिर देवों का आह्वान करने के लिए जल छिड़कें।
- नमक, मिर्च और तेल का प्रयोग नैवेद्य में नहीं किया जाता है।
- नैवेद्य में नमक की जगह मिष्ठान्न रखे जाते हैं।
- भोजन के अंत में भोग का यह अंश गाय, कुत्ते और कौए को दिया जाना चाहिए।

आज का इतिहास

1625 - हालैंड और इंग्लैंड के बीच सैन्य संधि पर हस्ताक्षर।
1762 - ब्रिटिश संसद ने पेरिस संधि को स्वीकार किया।
1873 - हिज एक्सेलेंसी जार्ज बैरिंग वायसराय तथा भारत के गवर्नर जनरल ने 'म्योर कॉलेज' की आधारशिला रखी।
1898 - बेलूर मठ की स्थापना।
1910 - फ्रांसीसी सेनाओं ने मोरक्को के बंदरगाह शहर अगादीर पर क़ब्ज़ा किया।
1917 - जनरल अलेनबाय के नेतृत्व में ब्रिटिश सेना ने यरुशलम पर क़ब्ज़ा किया।
1924 - हालैंड और हंगरी के बीच व्यापार संधि पर हस्ताक्षर।
1931 - जापानी सेना ने चीन के जेहोल प्रांत पर हमला किया।
1941 - चीन ने जापान, जर्मनी और इटली के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।
1946 - संविधान सभा की पहली बैठक नयी दिल्ली के कांस्टीट्यनूल हॉल में हुई।
1992 - प्रिंस चार्ल्स और प्रिंसेस डायना ने अलग होने की औपचारिक रूप से घोषणा की।
1998 - रूस द्वारा आर्कटिक सागर में अपक्रांतिक परमाणु परीक्षण किया गया।
1998 - आस्ट्रेलियाई क्रिकेट खिलाड़ियों शेन वार्न और मार्क वॉ ने एक भारतीय सट्टेबाज से 1994 में पाकिस्तान दौदे पर रिश्वत लेने की बात स्वीकारी।
2000 - दक्षिण कोरिया का दर्जा विकासशील देश से बढ़कर विकसित देश किया गया।
2001 - यूनाइटेड नेशनल पार्टी के नेता रानिल विक्रमसिंघे ने श्रीलंका के प्रधानमंत्री पद की शपथ ली।
2001 - तालिबान में नार्दन एलांयस का विमान दुर्घटनाग्रस्त, 21 मरे।
2002 - जॉन स्नो अमेरिका के नये वित्तमंत्री बने।
2003 - रूस में मास्को के मध्य भाग में विस्फोट से छह लोगों की मौत और कई घायल।
2006 - पाकिस्तान ने परमाणु क्षमता युक्त मध्यम दूरी के प्रक्षेपास्त्र 'हत्फ़-3 ग़ज़नवी' का परीक्षण किया।

चुनौतियों के बीच अधिक विकास दर

-डा. जयंती लाल भंडारी-

हाल ही में 28 नवंबर को सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष 2025-26 में जुलाई-सितंबर की तिमाही में 8.2 प्रतिशत बढ़ी है। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 5.6 प्रतिशत थी। खास बात यह है कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने विकास दर के मामले में दुनिया की सभी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं को पीछे छोड़ दिया है। स्थिति यह है कि चालू वित्त वर्ष में चुनौतियों के बावजूद जीडीपी की वृद्धि दर उम्मीद से अधिक रहने की संभावना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत की 8.2 प्रतिशत की विकास दर वृद्धि समर्थक नीतियों और सुधारों के प्रभाव को बताती है, वहीं वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि सरकार के द्वारा कारोबारी सुगमता और उत्पादकता बढ़ाने जैसे कदमों से जीडीपी बढ़ी है। गौरतलब है कि इन दिनों भारत की अर्थव्यवस्था पर प्रकाशित हो रही विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय आर्थिक व वित्तीय संगठनों की रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि भारत में महंगाई घटने और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दर में कटौती से उपभोग और घरेलू खपत में जोरदार इजाफा होने से विकास दर बढ़ी है।

जहां भारत की अर्थव्यवस्था ट्रंप के टैरिफ का प्रतिकूल असर झेल गई, वहीं निर्यात, पूंजीगत निवेश और निवेश रुझान पर प्रतिकूल असर की चुनौतियों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती के साथ आगे बढ़ी है। साथ ही भारत की अर्थव्यवस्था वैश्विक अनिश्चितताओं से निर्मित हो रही चुनौतियों से निपटने की स्थिति में है। निश्चित रूप से जब दुनिया के अधिकांश देशों में महंगाई तेजी से बढ़ रही है, वहीं भारत में महंगाई में तेज कमी भारत की एक बड़ी आर्थिक ताकत बन गई है। हाल ही में राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की ओर से जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि जहां अक्टूबर 2025 में खुदरा महंगाई घटकर पिछले 10 साल के न्यूनतम स्तर 0.25 प्रतिशत पर आ गई, वहीं थोक महंगाई 27 महीने के निचले स्तर शून्य से 1.21 प्रतिशत नीचे रही है। महंगाई में यह ऐतिहासिक कमी प्रमुखतया सब्जियां, फल, अंडे, फुटवियर, अनाज व उससे बने उत्पाद, बिजली, परिवहन और संचार आदि मदों की महंगाई में गिरावट के कारण हुई है। महंगाई में आई गिरावट के पीछे विगत 22 सितंबर से लागू वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधार की भी अहम भूमिका है। जीएसटी दरों में की गई कमी से खाने-पीने की सभी वस्तुएं सस्ती हुई हैं। क्रिसिल की एक रिपोर्ट के अनुसार अक्टूबर 2025 में शाकाहारी थाली सालाना आधार पर 17 फीसदी सस्ती होकर 27.8 रुपए और मांसाहारी थाली 12 फीसदी सस्ती होकर 54.4 रुपए के मूल्य स्तर पर पाई गई। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि इस समय विभिन्न शोध रिपोर्टों में यह भी कहा जा रहा है कि खाद्यान्न के रिकॉर्ड उत्पादन और अच्छे मानसून के बाद कृषि और औद्योगिक क्षेत्रों को मिली अनुकूलताओं के कारण आगामी महीनों में भी महंगाई में और कमी आने की उम्मीद है। अनुमान है कि इस वित्त वर्ष 2025-26 में औसतन खुदरा महंगाई दर 2.5 प्रतिशत रह सकती है, जो पिछले वर्ष के 4.6 प्रतिशत के मुकाबले काफी कम होगी। निःसंदेह भारत की अर्थव्यवस्था की मजबूती के मद्देनजर महंगाई घटने और जीएसटी सुधार के साथ-साथ कुछ और आर्थिक अनुकूलताएं उभरकर दिखाई दे रही हैं। यह कोई छोटी बात नहीं है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाए जाने के बाद भारत ने रूस और चीन के साथ आर्थिक-वैश्विक कूटनीति और नए निर्यात बाजारों में आगे बढने की जो रणनीति अपनाई, वह कारगर दिखाई दे रही है।

इस नीति से ट्रंप के टैरिफ के बीच पिछले अगस्त से अक्टूबर माह में अमेरिका को छोडक़र अन्य देशों में भारत के निर्यात बढ़े हैं। यह भी कोई छोटी बात नहीं है कि वैश्विक चुनौतियों के बीच रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने शिखर वार्ता के लिए भारत आना सुनिश्चित किया है। इस मौके पर भारत व रूस के बीच कारोबार सहित कई समझौते हुए। इन सबके साथ-साथ विभिन्न देशों के साथ तेजी से आकार लेते हुए दिखाई दे रहे भारत के मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) भारत के निर्यात के मद्देनजर मील का पत्थर बनते हुए दिखाई दे रहे हैं। इतना ही नहीं 21 नवंबर से देश में लागू नए श्रम कानून देश के आर्थिक विकास में नई प्रभावी भूमिका निभाएंगे। उल्लेखनीय है कि हाल ही में एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की अर्थव्यवस्था के 6.5 प्रतिशत और अगले वित्त वर्ष 2026-27 में 6.7 प्रतिशत की दर से बढने का अनुमान व्यक्त किया है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि सरकार के बड़े फैसले जैसे कि पहला टैक्स में कटौती और दूसरा मौद्रिक नीति में ढील से उपभोग आधारित बढ़ोतरी को बढ़ावा मिलेगा। यह आर्थिकी को तेजी से बढ़ाएगी। रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ने कहा कि जीएसटी की कम दरें मध्यम वर्ग के उपभोग को बढ़ावा देंगी और इस वर्ष शुरू की गई आयकर कटौती एवं ब्याज दरों में कटौती का पूरक बनेंगी। इन बदलावों से चालू वित्त वर्ष और अगले वित्त वर्ष में निवेश की तुलना में उपभोग वृद्धि का एक बड़ा चालक बन सकता है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने अपनी नई रिपोर्ट में कहा है कि यद्यपि चालू वित्त वर्ष 2025-26 में वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और व्यापार तनाव के बीच वैश्विक वृद्धि दर धीमी है, लेकिन इसके बावजूद भारत मजबूत घरेलू खपत के दम पर 6.6 फीसदी विकास दर प्राप्त करते हुए दुनिया की उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओ में सबसे अधिक विकास दर की संभावनाएं रखता है।

साथ ही भारत की विकास दर चीन से भी अधिक अनुमानित है। नैशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनैंस ऐंड पॉलिसी (एनआईपीएफपी) ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की मध्यवर्ती आर्थिक समीक्षा में कहा कि जीएसटी दर को युक्तिसंगत बनाए जाने और महंगाई में कमी का लाभ भारत की अर्थव्यवस्था को मिला है। लेकिन अमेरिका की टैरिफ चुनौतियों सहित अन्य वैश्विक आर्थिक मुश्किलों के बीच भारत की अर्थव्यवस्था का क्षमता के मुताबिक प्रदर्शन बेहतर करने हेतु उद्योग-कारोबार को आर्थिक-वित्तीय सहारा जरूरी है। इसी प्रकार विश्व बैंक की वित्तीय क्षेत्र आकलन (एफएसए) रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत विकास की डगर पर आगे बढ़ रहा है। लेकिन अब भारत को 2047 तक 30000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लिए आर्थिक-वित्तीय क्षेत्र में सुधारों को और तेजी देने तथा उद्योग-कारोबार के लिए निजी पूंजी जुटाने को बढ़ावा देने की जरूरत है। निश्चित रूप से देश को वर्ष 2027 तक दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने और 2047 तक दुनिया का विकसित देश बनाने के मद्देनजर कई अहम बातों पर ध्यान देना होगा।

जीएसटी के बाद अब ऊंची आर्थिक विकास दर के मद्देनजर नई पीढ़ी-अगली पीढ़ी के सुधारों के लिए आगे बढने की जरूरत है। इन सुधारों के तहत जीवन में आसानी, कारोबार सुगमता, बुनियादी ढांचा सुधार, प्रशासन को सशक्त बनाने और अर्थव्यवस्था को मजबूती देने संबंधी सुधार शामिल हैं। साथ ही देश को कृषि, बैंकिंग, बीमा, परिवहन और दूरसंचार, बिजली, परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्ष और रक्षा, पेट्रोलियम, कोयला और अन्य खनिज आदि सुधारों की डगर पर भी आगे बढना होगा। तभी भारत विकसित देश बन सकेगा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर -7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 **संपादक - आदित्य वशिष्ठ** कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

सरकार चाय बागानों में काम करने वाली महिला कामगारों के कल्याण के प्रति गंभीर: मांडविया

नई दिल्ली। सरकार ने सोमवार को कहा कि नई लागू श्रम संहिताओं के माध्यम से बागान मजदूरों खासकर चाय बागानों में काम करने वाली महिला श्रमिकों के कल्याण के कई प्रावधान किये गये हैं।

श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने लोक सभा में प्रश्न काल के दौरान कांग्रेस के गौरव गोगोई के सवाल के जवाब में कहा कि इन श्रमिकों के न्यूनतम वेतन, मातृ अवकाश, स्वास्थ्य सुविधा, बेहतर शौचालय, बच्चों के लिए पालना घर, उत्पीड़न से बचाव आदि के व्यापक एवं समुचित प्रावधान 21 नवंबर से लागू चार श्रम संहिताओं में किये गये हैं।

मांडविया ने कहा कि बागान मालिकों, यूनियन और सरकार के बीच होने वाली वार्ताओं में महिला श्रमिकों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के भी प्रावधान किये गये हैं। महिला श्रमिकों के कल्याण के लिए सरकार गंभीर है और उनके कल्याण के लिए जरूरी कदम उठाये जा रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस की प्रणीति शिंदे के प्रश्न के उत्तर में कहा कि सरकार महाराष्ट्र खास शोलापुर क्षेत्र में महिला बीड़ी कामगारों के कल्याण के लिए भी कई उपाय किये हैं। उनके वेतन और अन्य सुविधाओं में कोई दिक्कत न हो, इस पर लगातार नजर रखी जा रही है। उनकी बेहतर सेहत सुनिश्चित करने के लिए 40 वर्ष के कामगारों के स्वास्थ्य की नियमित जांच के भी इंतजाम किये गये हैं।

लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित जवाब में केंद्रीय मंत्री मांडविया ने कहा कि एनसीएस पोर्टल की शुरुआत से 20 नवंबर तक महिलाओं, एससी/एसटी और ईडब्ल्यूएस कैटेगरी में 6.02 करोड़ जॉब सीकर्स और 54.27 लाख नियोक्ताओं को रजिस्टर किया जा चुका है। उन्होंने आगे कहा कि मंत्रालय एनसीएस पोर्टल को चला रहा है, जो कि करियर से जुड़ी सर्विस के लिए एक वन-स्टॉप सॉल्यूशन की तरह काम करता है। प्लेटफॉर्म में प्राइवेट और गवर्मेंट सेक्टर, ऑनलाइन-ऑफलाइन जॉब फेयर की जानकारी, जॉब सर्च एंड मैचिंग, करियर काउंसिलिंग, वोकेशनल गाइडेंस, स्किल डेवलपमेंट कोर्स और ट्रेनिंग प्रोग्राम से जुड़ी जानकारियां मिलती हैं।

उन्होंने आगे कहा कि एनसीएस प्रोजेक्ट में रोजगार से जुड़ी सेवाओं को डिलीवर करने के लिए राज्य और संस्थानों के सहयोग से मॉडल करियर सेंटर (एमसीसीज) सेटअप करने पर भी विचार किया जा रहा है। इसके अलावा, केंद्र की ओर से अभी तक 407 मॉडल करियर सेंटर को अप्रूवल मिल चुका है। केंद्रीय मंत्री मांडविया ने हाल ही में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की 'फ्यूचर ऑफ जॉब्स रिपोर्ट 2025' का हवाला देते हुए कहा था कि भारत की बेरोजगारी दर 2 प्रतिशत है, जो जी-20 देशों में सबसे कम है। उन्होंने भारत की तेज आर्थिक वृद्धि के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में हुए रोजगार सृजन और इस दिशा में योगदान देने वाली सरकारी योजनाओं का भी प्रकाश डाला।उन्होंने जानकारी देते हुए बताया था कि मंत्रालय ने पिछले एक वर्ष में अमेजन और स्विगी सहित दस प्रमुख संगठनों के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके अलावा, उन्होंने बताया कि इन साझेदारियों से अब तक लगभग पांच लाख वैकेंसी पेश हो चुकी हैं।

ईयू के मारोस सेफ्कोविक से मिले जयशंकर भारत में सकारात्मक बातचीत की जताई उम्मीद

नई दिल्ली। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को नई दिल्ली में व्यापार और आर्थिक सुरक्षा के लिए यूरोपीय आयुक्त मारोस सेफ्कोविक से मुलाकात की। विदेश मंत्री ने उम्मीद जताई है कि भारत दौरे पर आए प्रतिनिधिमंडल की मुलाकातें उपयोगी होंगी।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एस जयशंकर ने एक पोस्ट में लिखा कि आज नई दिल्ली में यूरोपियन व्यापार और आर्थिक सुरक्षा कमिश्नर मारोस सेफ्कोविक से मिलकर खुशी हुई। मुझे विश्वास है कि कमिश्नर और उनकी टीम भारत में अच्छी बातचीत करेंगे। पिछले महीने, ब्रुसेल्स में 11वीं भारत-यूरोपीय संघ विदेश नीति और सुरक्षा परामर्श और 6वीं रणनीतिक साझेदारी समीक्षा बैठक के बाद जारी एक संयुक्त बयान में कहा गया था कि भारत और यूरोपीय संघ सुरक्षा और रक्षा साझेदारी और सूचना सुरक्षा समझौते को समय पर और सफलतापूर्वक पूरा करने के मकसद से रचनात्मक बातचीत की उम्मीद करते हैं। इस बैठक का आयोजन 18-19 नवंबर को हुआ, जिसमें दोनों देशों के रिश्तों के पूरे स्पेक्ट्रम का मूल्यांकन किया गया और 'भारत-यूरोपीय संघ रणनीतिक साझेदारीः ए रोडमैप टू 2025' के कार्यान्वयन की समीक्षा की गई। संयुक्त बयान के मुताबिक, दोनों पक्षों ने ईयू-भारत संबंधों के उन सकारात्मक क्षणों का स्वागत किया, जिनमें फरवरी में कॉलेज ऑफ कमिश्नर्स का भारत का ऐतिहासिक दौरा, जून में एचआरवीपी काजा कैलास और जयशंकर द्वारा ब्रुसेल्स में आयोजित पहला ईयू-भारत सामरिक संवाद और सितंबर में भारत पर रणनीतिक एजेंडा पर ईयू का संयुक्त वार्ता अपनाना शामिल है।

बयान में कहा गया कि दोनों पक्षों ने इस साल के अंत तक मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत पूरी करने और निवेश सुरक्षा समझौते और भौगोलिक संकेत पर समझौते को लेकर बातचीत में तेजी लाने की साझा महत्वाकांक्षा को फिर से दोहराया। उन्होंने बहुपक्षीय स्तर पर सहयोग और सप्लाई चेन डाइवर्सिफिकेशन सहित आर्थिक मुद्दों पर लगातार बातचीत के महत्व पर जोर डाला। दोनों पक्षों ने भारत-ईयू व्यापार और प्रौद्योगिकी परिषद (टीटीसी) में प्रगति पर भी ध्यान दिया और 2026 में ब्रुसेल्स में अगली टीटीसी मीटिंग की तरफ देख रहे हैं। इससे पहले 29 अक्टूबर को, विदेश मंत्री जयशंकर ने नई दिल्ली में यूरोपियन पार्लियामेंट की अंतर्राष्ट्रीय व्यापार समिति के एक प्रतिनिधित्व से मुलाकात की और सहयोग को गहरा करने के तरीकों पर चर्चा की गई। इस बैठक में एमईए सचिव (पश्चिम), सिबी जॉर्ज और दूसरे अधिकारी भी मौजूद थे।

पाकिस्तान और लोकतंत्र साथ-साथ नहीं चलते: भारत

नई दिल्ली। भारत ने पाकिस्तान में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के कारावास एवं उसे लेकर जारी राजनीतिक आंदोलन पर कटाक्ष करते हुए आज कहा कि यह शुरू से ही जगजाहिर है कि पाकिस्तान और लोकतंत्र साथ-साथ नहीं चलते।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल सोमवार को यहां नियमित ब्रीफिंग में पाकिस्तान में जारी घटनाक्रम को लेकर पूछे गये सवालों पर टिप्पणी करते हुए सोमवार को कहा कि वहां लोकतंत्र पर जितनी बात की जाए उतनी कम है। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को जेल में रखने और वहां स्थिति से जुड़े सवाल पर जायसवाल ने कहा कि भारत पड़ोसी देश के हर घटनाक्रम पर बारीक नजर रखता है। उन्होंने आगे कहा कि जहां तक पाकिस्तान में लोकतंत्र के कमजोर होने का सवाल है, उसपर जितना कहा जाए उतना कम है। पाकिस्तान और लोकतंत्र साथ-साथ नहीं चलते। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में प्रवक्ता ने पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा को लेकर हो रही झड़पों पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंन कहा कि भारत अफगानिस्तान की क्षेत्रीय अखंडता, संप्रभुता और स्वतंत्रता का पुरजोर समर्थन करता है। प्रवक्ता ने कहा कि हमें सीमा पर झड़पों की खबरें मिली हैं जिनमें कई अफ़गान नागरिक मारे गए हैं। हम निर्दोष अफ़गान लोगों पर ऐसे हमलों की निंदा करते हैं।

हिमाचल में चिट्टे की तस्करी में सरकारी कर्मचारी भी शामिल

धर्मशाला। देवभूमि हिमाचल में चिट्टे की तस्करी के खिलाफ राज्य सरकार और पुलिस विभाग द्वारा चलाए जा रहे अभियान में एक बहुत गंभीर और चिंताजनक खुलासा हुआ है। जांच में पाया गया है कि नशे की तस्करी में सरकारी तंत्र के कुछ लोग भी शामिल हैं, जिससे इस अवैध लरोबार का नेटवर्क और भी खतरनाक और चुनौतिपूर्ण हो गया है। चिट्टे के इस काले कारोबार में नशा तस्करों के साथ ही 60 सरकारी कर्मचारियों की संलिप्तता का खुलासा हुआ है, जिनमें से 15 पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। इस बात का खुलासा हाल ही में धर्मशाला में हुए शीत सत्र में खुद मुख्यमंत्री ने किया था। यह बात न केवल नशे की तस्करी के खिलाफ सरकार की मुहिम की गंभीरता को उजागर करती है, बल्कि यह भी दिखाती है कि नशे का कारोबार सरकारी तंत्र में घुसपैठ कर चुका है। इस खुलासे के बाद हिमाचल सरकार ने तुरंत प्रशासनिक और कानूनी कदम उठाए हैं। संलिप्त पाए गए 5 पुलिसकर्मियों को तत्काल बर्खास्त कर दिया गया है, जिससे यह साफ संदेश जाता है कि राज्य सरकार भ्रष्टाचार और अवैध गतिविधियों के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' नीति अपना रही है। इसके अलावा, अन्य संलिप्त कर्मचारियों के खिलाफ भी सख्त कानूनी कार्रवाई की जा रही है। सरकार ने इस मामले को गंभीरता से लिया है और 10 दिसंबर तक पुलिस विभाग से उन सभी सरकारी कर्मचारियों का विस्तृत विवरण मांगा है जो चिट्टा तस्करी में संलिप्त पाए गए हैं। यह कदम प्रशासनिक समीक्षा और शुद्धिकरण की दिशा में एक बड़ा कदम है, ताकि सरकारी तंत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार और अवैध गतिविधियों को जड़ से खत्म किया जा सके।

आईआईटी खड़गपुर में पांच दिवसीय नवाचार महोत्सव एसआईएच-2025 का आगाज

खड़गपुर। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) खड़गपुर में सोमवार को स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन (एसआईएच) 2025 – हार्डवेयर संस्करण के ग्रैंड फिनाले का विधिवत शुभारंभ हुआ। इसके साथ ही 8-12 दिसंबर तक चलने वाली पांच दिवसीय राष्ट्रीय नवाचार यात्रा की शुरुआत हुई।

उद्घाटन समारोह में अनेक गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति रही। डीन (प्रशासन) प्रोफेसर कमल लोचन पाणिग्राही तथा प्रौद्योगिकी छात्र व्यायामशाला (जिमखाना) के अध्यक्ष प्रोफेसर जितेन्द्र महाकुद ने नवाचार को बढ़ावा देने एवं युवा शोधकर्ताओं को प्रोत्साहित करने पर अपने विचार व्यक्त किए। एसआईएच 2025 की संयोजिका प्रोफेसर विद्या कोचट एवं सह-संयोजक प्रोफेसर आदित्य बन्द्योपाध्याय ने विभिन्न संस्थानों से आए प्रतिभागियों, मार्गदर्शकों और विशेषज्ञों का स्वागत किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जमशेदपुर के जिलाधिकारी कर्ण सत्यार्थी ने युवाओं को सृजनात्मकता और तकनीकी कौशल की नई सीमायें छूने का संदेश दिया। विशिष्ट अतिथि डॉ. अर्पन पाल (मुख्य वैज्ञानिक तथा अनुसंधान प्रमुख–टीसीएस अनुसंधान) और डॉ. रजत पाल ने उद्योग–अकादमिक साझेदारी के महत्व पर प्रकाश डाला। एआईसीटीई नोडल केंद्र प्रमुख जोएल एंड्रयूज, मनव चेतन तथा आईआईटी खड़गपुर के कुलसचिव कैप्टन (सेवानिवृत्त) अमित जैन की उपस्थिति से समारोह की गरिमा और बढ़ गई।

उल्लेखनीय है कि, शिक्षा मंत्रालय के नवाचार प्रकोष्ठ और अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद द्वारा वर्ष 2017 में प्रारंभ किया गया स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन आज विश्व का सबसे बड़ा मुक्त नवाचार मंच बन चुका है। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों को मंत्रालयों, सरकारी विभागों, उद्योगों और सामाजिक संस्थाओं द्वारा प्रस्तुत वास्तविक समस्याओं के समाधान विकसित करने का अवसर प्रदान करता है।

पश्चिम बंगाल में बाबरी मस्जिद का मुद्दा सोची-समझी रणनीति का हिस्सा: गिरिराज

नई दिल्ली। केन्द्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि पश्चिम बंगाल में बाबरी मस्जिद का मुद्दा एक सोची समझी रणनीति का हिस्सा है। संसद भवन परिसर में सोमवार को गिरिराज सिंह ने मीडिया के एक सवाल पर यह बात कही।

पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर द्वारा 'बाबरी मस्जिद' की नींव रखने के सवाल पर केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि यह सारा खेल हुमायूं कबीर ने नहीं, बल्कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने करवाया है। वह जानबूझकर बंगाल की धरती पर हिंदू-मुसलमान के नाम पर विवाद पैदा कर रही हैं। यह बाबरी मस्जिद का मुद्दा एक सोची-समझी रणनीति के तहत लाया गया है।

उन्होंने चेतावनी दी कि इस काम के लिए ममता बनर्जी को केवल बंगाल में ही नहीं, बल्कि पूरे देश में विरोध का सामना करना पड़ेगा और इसकी सजा भुगतनी पड़ेगी। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि 'वंदे मातरम्' गीत देश को 'एकता के सूत्र में' बाँधने वाला एक शक्तिशाली प्रतीक है। यह स्वतंत्रता सेनानियों के लिए एक नारा और प्रेरणा स्रोत है। अगर लोकतंत्र के मंदिर (संसद) में 'वंदे मातरम्' पर बात नहीं होगी, तो फिर कहां होगी?

कुछ लोग 'वंदे मातरम्' को नहीं, बल्कि 'बाबरी मस्जिद' को मानते हैं। उन्होंने कहा कि 'वंदे मातरम्' 150 साल पुराना आज़ादी का गीत है और यह भारत की विरासत है। इसलिए इस पर खुलकर बात होनी चाहिए।

हमारी सांस्कृतिक विरासत जीवंत धरोहर: गजेंद्र शेखावत

नई दिल्ली। केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि हमारी सांस्कृतिक विरासत सिर्फ पत्थरों में नहीं बल्कि जीवंत और गहन रूप से अमूर्त है। शेखावत ने यह बात नई दिल्ली स्थित लाल किले में आयोजित यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा के लिए अंतर-सरकारी समिति (आईजीसी) की 20वीं अंतरराष्ट्रीय बैठक के उद्घाटन समारोह में कही।

शेखावत ने कहा कि भारत हमेशा से मानता रहा है कि सांस्कृतिक विरासत सिर्फ स्मारकों, अभिलेखागारों या संग्रहालयों तक सीमित नहीं है, बल्कि वह एक जीवंत अमूर्त धरोहर है जो हमारे दैनिक जीवन, परंपरा और कलाओं में गहराई से निहित है। हम इन जीवंत परंपराओं को बचाकर रखें, ताकि हमारी आने वाली पीढ़ियाँ न केवल भौतिक संपदा, बल्कि दुनिया की इस पारंपरिक बुद्धिमत्ता को भी विरासत में पा सकें। मंत्री ने मीडिया को बताया कि आने वाले सात दिनों तक दुनिया भर के प्रतिनिधिमंडल विश्व की धरोहर के लिए नामित सभी आवेदनों पर विचार करेंगे और अमूर्त धरोहर के संरक्षण की भावी नीतियों पर चर्चा होगी। शेखावत ने बताया कि इस वर्ष दीपावली को अमूर्त विरासत के रूप में नामित करने के लिए भारत ने आवेदन दिया है, जिस पर अब समिति फैसला लेगी। विदेश मंत्री डॉ एस. जयशंकर ने यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा के लिए अंतर-सरकारी समिति (आईजीसी) की 20वीं अंतरराष्ट्रीय बैठक के प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कहा कि भारत एक संस्थापक सदस्य के रूप में वैश्विक शांति और समझ को बढ़ावा देने में सक्रिय रूप से योगदान दे रहा है। उन्होंने कहा कि इस विरासत का पोषण करें और इसे भविष्य की पीढ़ियों को सौंप दें। इस अवसर पर यूनेस्को के महानिदेशक डॉ. खालिद अल-एनानी और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सहित दुनिया के विभिन्न देशों से प्रतिनिधिमंडल शामिल थे। यह बैठक अगले सात दिनों तक चलेगी, जिसमें दुनिया भर की अमूर्त सांस्कृतिक विरासतों पर महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे।

वंदे मातरम् गीत को उसका 'समुचित सम्मान' लौटाना समय की मांग : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली। लोकसभा में राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' की 150वीं वर्षगांठ पर आयोजित विशेष चर्चा के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत की राष्ट्रीय चेतना में इस गीत को उसका 'युक्त स्थान' दिलाने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् को आज़ादी की लड़ाई में असाधारण प्रेरणा का स्रोत बताने के बावजूद, स्वतंत्र भारत में इसे वह सम्मान नहीं मिला, जिसके यह योग्य था।

राजनाथ सिंह ने कहा कि वंदे मातरम् ने सदियों से सोए हुए देश को जगा दिया और आधी सदी तक स्वतंत्रता संग्राम का प्रेरक रहा। उन्होंने कहा कि इस गीत की गूंज का प्रभाव इतना गहरा था कि ब्रिटिश सरकार ने कई जगह इसके नारे पर प्रतिबंध लगा दिया, लेकिन जनता ने इसे नहीं माना। उन्होंने बताया कि 1905 के बंगाल विभाजन आंदोलन में यह गीत जनमानस का स्वर बन चुका था और तब से यह पूरे देश और विदेशों में भारतीयों की पहचान बन गया। रक्षा मंत्री ने ब्रिटिश शासन के दौरान हुए दमन का उल्लेख करते हुए कहा कि वंदे मातरम् का नारा लगाने पर कई जगह छात्रों और युवाओं को सजा दी गई, जिनमें 'वंदे मातरम् रामचंद्र' जैसे क्रांतिकारी भी शामिल थे।

उन्होंने कहा कि शहीद भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, सूर्य सेन और मदन लाल ढींगरा जैसे क्रांतिकारियों ने भी वंदे मातरम् को अंतिम सांस तक अपनाया। राजनाथ सिंह ने दावा किया कि स्वतंत्रता के बाद कांग्रेस ने तुष्टीकरण की राजनीति के चलते वंदे मातरम् को उपेक्षित किया और इसे खंडित कर दिया। उन्होंने कहा कि 1937 में कांग्रेस द्वारा गीत को आंशिक रूप से स्वीकार करना इतिहास के प्रति अन्याय था। उनके अनुसार वंदे मातरम् और जन-गण-मन के बीच किसी भी तरह का विरोध खड़ा करने का प्रयास विभाजनकारी मानसिकता का परिचायक है। उन्होंने कहा कि जन-गण-मन और वंदे मातरम् मां भारती की दो आंखें हैं। दोनों हमारे राष्ट्रीय गौरव के प्रतीक हैं। रक्षा मंत्री ने आनंदमठ को सांप्रदायिक बताने वाले आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय का लेखन किसी मजहब के विरुद्ध नहीं था, बल्कि यह ब्रिटिश शासन और अत्याचारों के खिलाफ आवाज थी। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् की मूल रचना के कई पद भुला दिए गए हैं, जबकि उनमें भारत की प्राकृतिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विविधताओं का वर्णन है।

राजनाथ सिंह ने कांग्रेस पर संविधान में अनुचित हस्तक्षेप का भी आरोप लगाया और कहा कि पहला तथा 42वां संविधान संशोधन मूल दस्तावेज की भावना से विचलन थे। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने, शरणार्थियों के अधिकार बहाल करने और नक्सलवाद की समस्या हल करने जैसे कदमों से तुष्टीकरण की राजनीति के प्रभाव को समाप्त किया गया है। उन्होंने दावा किया कि भारतीय संस्कृति और सभ्यता की उपेक्षा करने वाली राजनीति ने न सिर्फ वंदे मातरम् को हाशिये पर डाला, बल्कि सामाजिक सौहार्द और राष्ट्रीय एकता को भी कमजोर किया।

राजनाथ सिंह ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ को केवल उत्सव के रूप में नहीं, बल्कि गीत की प्रतिष्ठा पुनर्स्थापित करने के संकल्प के रूप में मना रही है। उन्होंने महात्मा गांधी, डॉ. राजेंद्र प्रसाद और मौलाना अबुल कलाम आजाद के वंदे मातरम् के समर्थन में दिए गए विचार भी सदन में उद्धृत किए और कहा कि यह गीत न किसी संप्रदाय के खिलाफ है और न किसी विशेष मजहबी पहचान का प्रतीक, बल्कि यह भारत की राष्ट्रीय आत्मा का स्वर है।

तेलंगाना को 2047 तक तीन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था वाला राज्य बनाने का लक्ष्य : रेड्डी

हैदराबाद। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने सोमवार को कहा कि तेलंगाना विकास में एक लंबी छलांग लगाएगा। उन्होंने कहा कि वे 2047 के लिए नए लक्ष्य तय करके आगे बढ़ रहे हैं। उनका मकसद तेलंगाना को तीन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था वाला राज्य बनाना है।

सोमवार को फ्यूचर सिटी में आयोजित तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने राज्य के भविष्य के लिए एक महत्वाकांक्षी रोडमैप पेश करते हुए कहा कि तेलंगाना भारत का सबसे उन्नत और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी राज्य बनने की राह पर है। उन्होंने कहा कि विकास के लिए उद्योगपतियों और अर्थशास्त्रियों से सुझाव मांगे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में बहुत सारे मौके हैं। यहां अच्छा सकारात्मक माहौल भी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने राज्य को 2047 तक 3 ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी में बदलने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में देश की लगभग 2.9 प्रतिशत आबादी रहती है। तेलंगाना देश की जीडीपी में लगभग 5 प्रतिशत का योगदान देता है। उन्होंने भरोसा जताया कि उनका लक्ष्य 2047 तक भारत की जीडीपी में 10 प्रतिशत का योगदान देना है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना को तीन हिस्सों में बांटा गया है। यानी सर्विस सेक्टर, मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर और एग्रीकल्चर सेक्टर। उन्होंने कहा कि इसके लिए कोर अर्बन रीजन इकॉनमी, पेरी अर्बन रीजन इकॉनमी और रूरल एग्रीकल्चर रीजन इकॉनमी मॉडल बनाए गए हैं।

मुख्यमंत्री रेड्डी ने आगे कहा कि देश की आजादी के बाद हमारे नेताओं ने एक नया संविधान बनाकर भविष्य के लिए एक रोड मैप बनाया। वे तेलंगाना के भविष्य के लिए भी एक रोड मैप बनाना चाहते थे। रेड्डी ने कहा कि उन्होंने महात्मा गांधी, डॉ. बीआर अंबेडकर से बहुत प्रेरणा ली है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के लोगों ने दशकों तक अलग राज्य के लिए लड़ाई लड़ी है। 2014 में कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और उस समय के प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व में अलग तेलंगाना राज्य का सपना पूरा हुआ। उन्होंने कहा कि तेलंगाना भारत में एक युवा राज्य के तौर पर उभरा है।

अगले दस सालों में हम तेलंगाना को देश का सबसे विकसित राज्य और दुनिया का सबसे बेहतरीन और सभी निवेशकों के लिए, एक उपयुक्त निवेश गंतव्य की रूप में पेश करने का प्रयास जारी है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि हम खुशकिस्मत हैं कि इस ग्लोबल समिट में सभी क्षेत्र के प्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं। उन्होंने उद्योगपति, कॉर्पोरेट दिग्गजों, नीतिनिर्धारकों, सरकारी अधिकारियों और अलग-अलग क्षेत्र के विशेषज्ञों को धन्यवाद दिया।

उत्तर प्रदेश में अब नहीं गलेगी अखिलेश यादव की दाल : डिप्टी सीएम पाठक

बलिया। उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने बलिया में सोमवार को सपा और कांग्रेस पर जनकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि यूपी में अखिलेश यादव की दाल अब नहीं गलने वाली है।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक यह बात बलिया में 69वीं राष्ट्रीय विद्यालयी कुश्ती प्रतियोगिता के उद्घाटन के बाद पत्रकारों से कही। उन्होंने कहा कि जिस तरह से बिहार में आरजेडी के जंगलराज को जनता ने पूरी तरह से समाप्त कर दिया है, उसी प्रकार यूपी में भी सपा -कांग्रेस की दाल नहीं गलेगी। प्रचण्ड बहुमत से 2027 में 2017 वाला बहुमत भाजपा प्राप्त करेगी। बीजेपी 325 से अधिक सीटें लेकर सरकार बनाएगी। अखिलेश यादव देश पर इमरजेंसी थोपने वालों के साथ गलबाहियां डालकर चल रहे हैं। समय आने पर उत्तर प्रदेश की जनता उन्हें जरूर जवाब देगी। जब-जब सपा प्रदेश में सरकार में रही है, गुंडे माफिया पनपे हैं।

उन्होंने संसद में चल रही वन्देमातरम पर चर्चा को लेकर कहा कि वन्देमातरम आजादी के दीवानों का मंत्र रहा है। हर देशवासी वन्देमातरम को अपने मन की गहराइयों से स्वीकार करता है। अखिलेश यादव वन्देमातरम की गंभीरता को नहीं जानते। वे पूरी तरह से दिग्भ्रमित हैं। अखिलेश यादव मुस्लिम तुष्टीकरण की और वोट की वजह से तरह-तरह की अनर्गल बयानबाजी करते हैं। श्री पाठक ने कहा कि सपा हो या कांग्रेस पार्टी, ये लोग अपने गिरेबान में झांक कर देख लें। दावा किया कि पश्चिम बंगाल में इस बार ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी पूरी तरह साफ हो जाएगी।

उन्होंने कहा कि 2026 में विधानसभा चुनाव के बाद पश्चिम बंगाल में बाबरी मस्जिद को जड़ से मिटा दिया जाएगा जैसे ही वहां भाजपा की सरकार बेनेगी। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि एसआईआर चल रहा है, प्रदेश और बलिया में एक भी रोहिंग्या मिलेगा तो उसे गिरफ्तार कर डिटेन्शन सेंटर में रख कर उनके देश भेज दिया जाएगा।

ब्रजेश पाठक ने किया 69वीं राष्ट्रीय विद्यालयी कुश्ती प्रतियोगिता का शुभारंभ

बलिया। उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने सोमवार को जनपद बलिया स्थित वीर लोरिक स्पोर्ट्स स्टेडियम में 69वीं राष्ट्रीय विद्यालयी कुश्ती प्रतियोगिता 2025-26 का उद्घाटन किया। अंडर 17 राष्ट्रीय विद्यालयी कुश्ती प्रतियोगिता के लिए 28 राज्यों के 800 से अधिक खिलाड़ी जुटे हैं।

सोमवार को डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने रंगारंग कार्यक्रमों के बीच राष्ट्रीय प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। पिछले दिनों कैबिनेट मंत्री डा. संजय निषाद द्वारा बलिया को लेकर दिए बयान के बाद पैदा हुए विवाद को खत्म करने के लिए डिप्टी सीएम ने अपने भाषण की शुरुआत बलिया के ऐतिहासिक महत्व से की। उन्होंने सबसे पहले महर्षि भृगु के जयकारे लगाने के बाद कहा कि यह साधारण धरती नहीं है। इतना बड़ा आयोजन इस बात की गवाही है कि देश भर के 28 राज्यों से आए 800 से अधिक खिलाड़ी एक नई ऊर्जा लेकर जाएंगे। क्योंकि यह धरती भृगु मुनि और मंगल पाण्डेय की है। आजादी से पहले चित्तू पाण्डेय और आजादी के बाद जेपी और चंद्रशेखर जैसे महान लोग यहां पैदा हुए और देश को नई दिशा दी।

उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने खिलाड़ियों के लिए एक नये माहौल की रचना की है। सरकार अब खेल की सुविधा बढ़ाने पर फोकस कर रही है। खेल और खिलाड़ियों को उचित सम्मान मिल रहा है। प्रधानमंत्री स्वयं खिलाड़ियों से अपने आवास पर मिलते हैं। यूपी में भी मोदी जी की प्रेरणा से योगी सरकार खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन कर रही है। सरकारी नौकरियां दी जा रही हैं। खेल का बजट बढ़ाया गया है। जिसके अच्छे नतीजे मिल रहे हैं। प्रदेश सरकार खिलाड़ियों के साथ खड़ी है। सत्रह वर्ष के खिलाड़ियों की यह कुश्ती प्रतियोगिता बलिया के खिलाड़ियों को दुनिया के फलक पर छाने का अवसर प्रदान करेगी। उद्घाटन समारोह को उत्तर प्रदेश के परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष संजय मिश्र, सीडीओ ओजस्वी राज, एसपी ओमवीर सिंह आदि थे।

योगी–मोदी सरकार में शांति का दौर, फर्जी मतदाता हटाना ज़रूरी : स्वतन्त्र देव सिंह

कानपुर। प्रदेश व केंद्र सरकार के कार्यकाल में एक भी दंगा नहीं हुआ है। सभी के सहयोग से अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण हुआ। जिस वजह से लोगों को रोजगार का एक जरिया भी मिल गया है। एसआईआर की प्रक्रिया होना अति आवश्यक है, क्योंकि कुछ फर्जी मतदाताओं को बाहर कर वास्तविक लोगों को जोड़ा जाएगा। एसआईआर को लेकर अखिलेश यादव जनता के बीच भ्रम फैलाने का काम कर रहे हैं। यह बातें सोमवार को जलशक्ति मंत्री स्वतन्त्र देव सिंह ने कही।

एसआईआर अभियान को लेकर आज नगर विधानसभा कराचीखाना स्थित राजस्थान भवन पोलिंग स्टेशन का जायजा लेने मंत्री स्वतंत्र देव सिंह पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता पूरे मन से अपने कार्यों को अंजाम दे रहे हैं। फिर चाहे मतदाता किसी वर्ग या समाज का हो उसका नाम मतदाता सूची में जुड़वाने का काम कर रहे हैं। इसके अलावा मेरा कार्यकर्ताओं से अनुरोध है कि जिस किसी का भी फर्जी आधार कार्ड हो उसे जांचे इसके अलावा कुछ लोग लोग ऐसे भी हैं। जिनके पास आधार कार्ड ही नहीं है। तो उनकी सहायता भी करें। प्रदेश में बीएलओ द्वारा की जा रही आत्महत्या के सवाल पर उन्होंने जवाब देते हुए कहा कि इन घटनाओं से मैं इंकार तो नहीं करता हूं, लेकिन बहुत ही जगह ऐसी भी है जहां पर बीएलओ ने कड़ी मेहनत के साथ अपने कार्य को अंजाम देते हुए सीमा के अंदर ही 100 प्रतिशत कार्य को पूरा कर लिया है। उन्होंने यह भी कहा कि विपक्ष लगातार भाजपा पर वोट कटवाने और फर्जी वोटर बढ़ाने का आरोप भी लगा रहा है, लेकिन ऐसा नहीं है। हम केवल वास्तविक मतदाताओं का नाम जुड़वा रहे हैं। हम आज भी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं द्वारा बताए हुए रास्ते पर चल रहे हैं।

जैसा कि हमारी पार्टी का उद्देश्य है कि पंक्ति के अंतिम व्यक्ति मान सम्मान पेट भर भोजन और सरकारी योजना की जानकारी हो सके। उन्होंने कहा, जिन महापुरुषों ने राष्ट्रहित के लिए कार्य किये हैं। स्वतंत्रता सेनानियों ने बलिदान किया है। डॉ श्याम प्रसाद मुखर्जी, डॉ भीमराव अंबेडकर का जो कांग्रेस पार्टी पहले अपमान करती थी। आज उनके पंच तीर्थ स्थल बनाने का कार्य हमारी सरकार ने ही किया है। जिसका जीता जागता उदाहरण सरदार वल्लभभाई पटेल की सबसे ऊंची प्रतिमा है। इनके अलावा तीन साल में 549 रियासतों को बिना लाठी डंडे के एक किया है। यही कारण है कि हमें केंद्र और प्रदेश में लगातार जनता का सहयोग मिल रहा है।

कोडीन-आधारित कफ सिरप की अवैध बिक्री के आरोप में दो गिरफ्तार

वाराणसी। पुलिस ने कोडीन-आधारित कफ सिरप की अवैध बिक्री के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। एक पुलिस अधिकारी ने सोमवार को बताया। उन्होंने बताया कि रविवार शाम विशाल कुमार जायसवाल और बादल आर्य को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस उपायुक्त (काशी जोन) गौरव बंसवाल ने बताया कि शैली ट्रेडर्स के शुभम जायसवाल ने एक आपराधिक साजिश के तहत जाली दस्तावेजों के आधार पर ड्रग लाइसेंस हासिल किया और फिर विभिन्न मेडिकल कंपनियों के जरिए बड़ी मात्रा में कोडीन-आधारित कफ सिरप खरीदकर बेचा। बंसवाल ने बताया कि पूछताछ के दौरान विशाल और बादल ने खुलासा किया कि डीएसए फार्मा, (वाराणसी) के जरिए वे 'श्रीहरि फार्मा एंड सर्जिकल एजेंसी' के मालिक अमित जायसवाल से मिले थे। पुलिस उपायुक्त का कहना है कि इस मुलाकात के दौरान को विशाल और बादल को जल्दी पैसे कमाने का लालच दिया गया और कफ सिरप के धंधे में शामिल होने के लिए उकसाया गया, जिसके लिए वे मान गए।

पुलिस का कहना है कि अमित और शुभम ने जाली एवं मनगढ़ंत दस्तावेज तैयार करके विशाल एवं बादल को ड्रग लाइसेंस दिलाने में मदद की। पुलिस के मुताबिक विशाल और बादल ने कहा कि शुभम उन्हें दिवेश जायसवाल के जरिए हर महीने 30,000 से 40,000 रुपये का कैश कमीशन देता था तथा उनके खातों में मिला पैसा तुरंत शैली ट्रेडर्स के खाते में भेज दिया जाता था। पुलिस का कहना है कि दिवेश जायसवाल के पास विशाल एवं बादल के बैंक खातों की पूरी जानकारी थी। वह पैसे भेजते समय ओटीपी (वन-टाइम पासवर्ड) मांगता था। उन्होंने एक साल के अंदर लगभग सात करोड़ रुपये का कारोबार किया।

बंसवाल ने बताया कि विशाल की कंपनी हरि ओम फार्मा ने शैली ट्रेडर्स से 4,18,000 बोतल कफ सिरप खरीदीं और उन्हें पांच करोड़ रुपये से ज्यादा पैसे में बेचा। पुलिस के मुताबिक बादल आर्य की कंपनी काल भैरव ट्रेडर्स ने शैली ट्रेडर्स से 1,23,000 बोतल कफ सिरप खरीदीं तथा इन्हें फिर दो करोड़ रुपये से ज्यादा में बेचा।

कार और ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर में 3 लोगों की मौत

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में राया पुलिस स्टेशन के तहत बरेली-मथुरा एक्सप्रेसवे पर कोयल गांव के निकट सोमवार सुबह एक कार के ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकरा जाने से तीन लोगों की मौत हो गई जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी।

पुलिस क्षेत्राधिकारी महावन संजीव कुमार राय ने बताया कि कार सवार सौरभ वर्मा (33) की मौके पर ही मौत हो गई जबकि निकुंज गुप्ता (27) और राजन गुप्ता (31) ने आगरा के एसएन मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि घायल राजा भारद्वाज (28) का एसएन मेडिकल कॉलेज आगरा में इलाज किया जा रहा है और उनकी हालत स्थिर है। राय ने बताया कि वे सभी शाहजहांपुर जिले के जलालाबाद के रहने वाले थे और वृंदावन जा रहे थे।

पुलिस क्षेत्राधिकारी ने बताया कि हादसे में कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और शवों को पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया है। उन्होंने बताया कि ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया।

गणना प्रपत्र में फर्जी हस्ताक्षर के मामले में प्राथमिकी दर्ज, दो लोग गिरफ्तार

सहारनपुर। जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान गणना प्रपत्र पर फर्जी हस्ताक्षर के मामले में प्राथमिकी दर्ज कर दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

चिलकाना थाना प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि 30 नवंबर को खंड शिक्षा अधिकारी संजय डबराल द्वारा विधानसभा नकुड़ के ग्राम चौरा कलां जिसने बताया कि समून पिछले तीन वर्षों से सऊदी अरब में नौकरी कर रहा है और लंबे समय से गांव नहीं आया।

कुमार ने बताया कि इसके बावजूद एसआईआर के गणना प्रपत्र पर समूने के हस्ताक्षर पाए गए। उन्होंने बताया कि जांच में यह तथ्य पूरी तरह स्पष्ट हो गया कि ये हस्ताक्षर समून के नहीं, बल्कि किसी निकट संबंधी द्वारा फर्जी रूप से किए गए थे और उसी आधार पर गणना प्रपत्र बीएलओ को प्रस्तुत किया गया।

इस गंभीर अनियमितता को देखते हुए संजय डबराल की शिकायत पर तीन दिसंबर को थाना चिलकाना में समून के भाई अकरम और अन्य निकट संबंधियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया और रविवार रात अकरम व अमजद को गिरफ्तार किया गया।

2.62 लाख के जाली नोटों संग अभियुक्त गिरफ्तार

महोबा। उत्तर प्रदेश के महोबा जनपद की पुलिस ने पुलिस ने बेलाताल स्टेशन के पास 2.62 लाख के जाली नोटों संग अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। उसके एक साथी की तलाश की जा रही है।

अपर पुलिस अधीक्षक वंदना सिंह ने सोमवार को बताया कि रविवार को एक सूचना पर कुलपहाड़ थाना पुलिस को बेलाताल रेलवे स्टेशन के पास एक अभियुक्त को पकड़ने में सफलता मिली है। उसकी पहचान अजनर थाना क्षेत्र के आरी गांव निवासी देवेंद्र अहिरवार (33) के रूप में हुई है। उसके पास 2 लाख 62 हजार रुपये के 100 और 200 के जाली नोट बरामद हुए।पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि चित्रकूट के अंकुल से उसकी मुलाकात जेल में हुई थी। जेल से छुटने के बाद दोनों जाली नोटों का कारोबार करने लगे। अंकुल ने ही बाजार में खपाने के लिए उसको यह जाली नोट दिए थे।

फिलहाल अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेजते हुए फरार आरोपित अंकुल की गिरफ्तारी के लिए टीमों का गठन किया है।

विदाई के समय हर्ष फायरिंग से युवक की मौत, जांच में जुट पुलिस

बरेली। जिले में सिरौली थाना क्षेत्र स्थित शिवपुरी गांव में रविवार देर रात विदाई के समय दूल्हे के दोस्त ने तमंचा से फायर किया, जिसे एक युवक की मौत हो गई। घटना के बाद आरोपित फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस जांच में जुट गई। पुलिस अधीक्षक दक्षिण अंशिका वर्मा ने सोमवार को बताया कि गांव शिवपुरी में अबरार उर्फ मंगली की बेटी की बारात बरेली के थाना सुभाषनगर के गांव सिठौरा से आई थी।

निकाह के बाद विदाई का कार्यक्रम चल रहा था। इसी दौरान दूल्हे के दोस्त ने तमंचा निकालकर फायर करने की कोशिश की। पहली बार गोली नहीं चली तो वह तमंचा सीधा कर देखने लगा। तभी अचानक चली गोली सिठौरा निवासी बाराती रिजवान के सिर में जाकर लगी। रक्तरंजित होकर रिजवान जमीन पर गिरा तो मौके पर भगदड़ मच गई। कई बाराती वाहनों से भाग निकले।

सूचना पर सिरौली पुलिस व सीओ आंवला नितिन कुमार मौके पर पहुंच गए। घायल रिजवान को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया गया। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। पुलिस बारात घर में लगे सीसीटीवी फुटेज कब्जे में लेकर जांच कर रही है। घटना के बाद रामपुर शाहबाद के रघुनाथपुर निवासी आरोपित दोस्त फरार हो गया।एसपी साउथ ने घटनास्थल का मौका मुआयना किया। उन्होंने बताया कि हर्ष फायरिंग में गोली लगने से एक युवक की मौत हुई हैं। घटना के बाद आरोपित भाग निकला, जिसकी गिरफ्तारी के लिए टीमें लगी हुई हैं। प्राथमिकी दर्ज कर जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

राहुल गांधी मानहानि प्रकरण में गवाह से हुई जिरह, आज फिर होगी सुनवाई

सुलतानपुर। अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी से जुड़े मानहानि प्रकरण में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ उत्तर प्रदेश के सुलतानपुर जिले की एमपी-एमएलए कोर्ट मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा की अदालत में सोमवार को परिवादी के गवाह की गवाही दर्ज की गई। परिवादी पक्ष के अधिवक्ता संतोष पांडेय के अनुसार गवाह रामचंद्र दूबे अदालत में उपस्थित हुए, जिनकी मुख्य गवाही दर्ज की गई।

राहुल गांधी के अधिवक्ता काशी प्रसाद शुक्ला ने गवाह राम चंद्र दुबे से जिरह की। इसके बाद बचाव पक्ष के वकील ने गवाह से जिरह शुरू की, लेकिन जिरह पूर्ण न होने पर अदालत ने शेष जिरह के लिए कल 9 दिसंबर की तारीख तय की है। भाजपा नेता विजय मिश्रा ने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा 2018 में दायर किया था। सुलतानपुर जिले के हनुमानगंज निवासी मिश्रा ने आरोप लगाया था कि 2018 के कर्नाटक चुनाव के दौरान राहुल गांधी ने तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष और वर्तमान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर अभद्र टिप्पणी की थी। इस मामले में पांच साल तक अदालती कार्यवाही चली है। राहुल गांधी के पेश न होने पर दिसंबर 2023 में तत्कालीन जज ने उनके खिलाफ वारंट जारी किया था।

फरवरी 2024 में राहुल गांधी ने कोर्ट में आत्मसमर्पण किया, जिसके बाद विशेष मजिस्ट्रेट ने उन्हें 25-25 हजार रुपये के दो मुचलकों पर जमानत दी थी। 26 जुलाई 2024 को राहुल गांधी ने कोर्ट में अपना बयान दर्ज कराया था, जिसमें उन्होंने खुद को निर्दोष बताया और इसे राजनीतिक साजिश करार दिया था। राहुल गांधी के बयान के बाद कोर्ट ने वादी को साक्ष्य प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था। तब से लगातार गवाह पेश किए जा रहे हैं। अब तक केवल एक गवाह से जिरह पूरी हो पाई है, जबकि दूसरे गवाह से जिरह शुरू हुई है।

काशी विश्वनाथ मंदिर में सुगम दर्शन के नाम पर श्रद्धालुओं से रूपये ऐंठने वाले 7 दलाल गिरफ्तार

वाराणसी। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में सुगम दर्शन कराने के नाम पर श्रद्धालुओं से मोटी रकम ऐंठने वाले 7 दलालों को दशाश्वमेध पुलिस ने सोमवार को बांसफाटक वाली गली से गिरफ्तार किया है।

दशाश्वमेध एसीपी अतुल अंजान त्रिपाठी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों में टेढ़ीनीम दशाश्वमेध निवासी गणेश जायसवाल, ग्राम हीरावनपुर सिंधोरा निवासी अमन कुमार, लहरतारा मडुवाडीह निवासी कैलाशनाथ पांडेय, बड़ी पियरी चौक निवासी रितेश पांडेय, बड़ादेव गोदौलिया निवासी वहीद अहमद पुत्र मरहूम वकील अहमद, संकुलधारा पोखरा भेलूपुर निवासी रामबली बिंद, ढ़ेलवरिया पानी टंकी जैतपुरा निवासी रवि पांडेय हैं। सभी आरोपितों को मीडिया के सामने लाया गया। एसीपी ने बताया कि सभी आरोपित मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं से सुगम दर्शन कराने के नाम पर अवैध धन उगाही करते थे। पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि मनमाना दाम न देने पर भक्तों से दुर्व्यवहार करने के साथ उन्हें धमकाते भी थे।

पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर इन सभी को गिरफ्तार किया गया है। इससे पूर्व भी कुल 33 लोगों को दर्शन कराने के नाम पर दलाली करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तार

गन्ना किराए का बोझ बंद करे गन्ना मिले: किसान संघ

बागपत। जिले में किसानों के शोषण के खिलाफ भारतीय किसान संघ ने सोमवार को जिलाधिकारी कार्यालय पर धरना दिया। किसानों ने गन्ना तौल केंद्रों पर घटतौली, गन्ना किराये का बोझ कम करने सहित अनियमितताओं को बंद करने की मांग की। धरने पर बैठे किसानों से मिलने के लिए एसडीएम पहुंचे और उनका मांग पत्र लेकर सभी समस्याओं को पांच दिन में दूर करने का आश्वासन दिया।

जिसके बाद किसानों ने अपना धरना समाप्त कर दिया। धरने पर बैठे किसानों का आरोप था चीनी मिलों द्वारा गन्ना ढुलाई में लगने वाला किराया मनमाने ढंग से वसूला जा रहा है जो पूरी तरह गलत है। किसानों ने मांग की किराए को किसानों पर न थोपा जाए। चीनी मिल खुद ही किराया वहन करें। किसानों ने क्रयकेन्द्रों पर लगे प्लेटफार्म की लंबाई बढ़ाने की भी मांग रखी। उनका कहना था कि छोटी प्लेट के कारण गन्ना उतारते समय अक्सर हादसे हो जाते हैं, जिससे किसानों की जान और माल का खतरा बना रहता है। धरने में किसानों ने चीनी मिलों को लंबित भुगतान करने के लिए दोषी ठहराया गया। आरोप था कि चीनी मिल जानबूझकर किसानों का भुगतान लंबे समय तक बकाया रखती है जिसके कारण किसान तंगी में आकर गलत कदम उठा रहे हैं। कर्ज का बोझ बढ़ रहा है। चीनी मिलों को तत्काल भुगतान करने के निर्देश दिए जाएं। नियमों का पालन न करने वाले मिलों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई हो।

प्रदेश सरकार ने बुंदेलखंड के 6 कृषि विज्ञान केंद्रों में तैयार कराए मिलेट्स प्रोसेसिंग प्लांट

झांसी। उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम के अंतर्गत बुन्देलखंड के 6 जिलों में कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से मिलेट्स प्रसंस्करण, पैकेजिंग सह विपणन केंद्रों के निर्माण का काम फरवरी 2025 में पूरा कर लिया है। प्रोसेसिंग प्लांट के लिए मशीनों की खरीद और इंस्टालेशन का काम जल्द शुरू होगा। विभागीय अफसरों का कहना है कि अगले वर्ष 2026 में ये सभी प्रोसेसिंग प्लांट शुरू हो जाएंगे, जिससे किसानों को इसका लाभ मिल सकेगा।

झांसी, बांदा, ललितपुर, महोबा, जालौन और हमीरपुर जिलों में कृषि विभाग ने प्रोसेसिंग प्लांट के निर्माण के लिए आर्थिक मदद प्रदान की है। योगी सरकार ने प्रत्येक मिलेट्स प्रसंस्करण, पैकेजिंग सह विपणन केंद्र की स्थापना के लिए 95 लाख रुपये प्रदान किए हैं। इन मिलेट्स प्रसंस्करण, पैकेजिंग सह विपणन केंद्रों की स्थापना का उद्देश्य श्री अन्न की खेती को बढ़ावा देना, प्रोसेसिंग करना और किसानों द्वारा तैयार किए गए उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने में मदद करना है। सभी कृषि विज्ञान केंद्रों पर प्रोसेसिंग प्लांट के लिए भवन तैयार कर लिया गए हैं। अब आने वाले समय में इनमें अत्याधुनिक प्रोसेसिंग मशीन को लगाया जाएगा। इनके माध्यम से मोटे अनाज की प्रोसेसिंग और पैकेजिंग हो सकेगी।

वहीं बुन्देलखण्ड की जलवायु के अनुकूल मोटे अनाजों को उगाने के लिए किसानों को बीज उपलब्ध कराए जाएंगे। फसल तैयार हो जाने पर इन केंद्रों पर किसानों के उपज की प्रोसेसिंग और पैकेजिंग की जाएगी। इस संबंध में बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के निदेशक प्रसार डॉ एन के बाजपेयी ने सोमवार को बताया कि झांसी, ललितपुर, जालौन, महोबा, बांदा और हमीरपुर में श्री अन्न आधारित प्रोसेसिंग प्लांट के लिए भवन निर्माण का काम पूरा हो गया है।

अब बहुत जल्द यहां मशीनों की खरीद और इंस्टालेशन का काम पूरा कर लिया जाएगा। उम्मीद है कि अगले वर्ष 2026 में किसानों को बीज देने और उससे होने वाली उपज को इन केंद्रों में प्रोसेस करने का काम शुरू हो जाएगा।

गिल, हार्दिक की होगी वापसी, टी20 विश्व कप के लिए तैयारी करेगा भारत

कटक। शुभमन गिल और हार्दिक पंड्या की वापसी से मजबूती हासिल करने वाली मौजूदा टी20 विश्व चैंपियन भारतीय टीम मंगलवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला के पहले मैच के साथ अगले साल स्वदेश में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए अपनी तैयारियों की शुरुआत करेगी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली यह श्रृंखला फरवरी में होने वाले विश्व कप के लिए भारत की औपचारिक तैयारी का आगाज है। विश्व कप से पहले भारतीय टीम 10 टी20 मैच खेलेगी। दक्षिण अफ्रीका के बाद वह न्यूजीलैंड के खिलाफ भी पांच मैच की श्रृंखला खेलेगी। विश्व कप में भारत अपना पहला मैच सात फरवरी को वानखेड़े में अमेरिका के खिलाफ खेलेगा। भारतीय टीम इन दोनों श्रृंखला में स्पष्ट नजरिये के साथ उतरेगी जिसमें इसका मुख्य लक्ष्य विश्व कप से पहले खिलाड़ियों की भूमिका तय करना और उपयुक्त संयोजन तैयार करना होगा। पिछले वर्ष विश्व कप जीतने के बाद से भारत ने टी20 में दमदार प्रदर्शन किया है।

विश्व कप में उसने लगातार आठ मैच जीतकर खिताब जीता था। तब से भारत ने अपनी जीत का आंकड़ा 26 मैच तक पहुंचा दिया है जिसमें एशिया कप में लगातार सात मैच जीतना भी शामिल है। इस बीच भारतीय टीम को केवल चार मैच में हार मिली। इस अवधि में भारतीय टीम ने कोई टी20 श्रृंखला नहीं हारी है और अब उसका लक्ष्य उस टीम के खिलाफ अपनी धार को और अधिक मजबूत करना होगा जिसे उसने टी20 विश्व कप फाइनल में हराया था। गिल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता में खेले गए पहले टेस्ट मैच में गर्दन में अकड़न के कारण बाहर हो जाने के बाद वापसी कर रहे हैं। पिछले आईपीएल से लगातार क्रिकेट खेलने के कारण और भारत के आगामी व्यस्त सत्र को देखते हुए उनके कार्यभार प्रबंधन पर कड़ी नजर रखी जाएगी। लेकिन 33 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 29.89 की औसत से 837 रन बनाने वाले गिल के लिए यह श्रृंखला आईसीसी प्रतियोगिता से पहले अच्छी तैयारी करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। गिल की वापसी से अभिषेक शर्मा के साथ उनकी मजबूत सलामी जोड़ी बनेगी। अभिषेक ने ऑस्ट्रेलिया में शानदार प्रदर्शन किया था।

उन्होंने 163 रन बनाए थे और वह भारत की तरफ से सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। इसके बाद उन्होंने घरेलू स्तर पर भी अच्छा प्रदर्शन किया है। सैयद मुश्ताक अली टी20 टूर्नामेंट में पंजाब के इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने 50.66 की औसत और 249 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 304 रन बनाए, जिसमें बंगाल के खिलाफ 52 गेंदों में 148 रन की तूफानी पारी भी शामिल है। भारत के लिए हार्दिक पंड्या की वापसी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। एशिया कप के दौरान क्वाड्रिसेप्स की चोट के कारण दो महीने से अधिक समय तक बाहर रहने वाले इस ऑलराउंडर ने शानदार वापसी करते हुए मुश्ताक अली ट्रॉफी में बड़ौदा की तरफ से एक मैच में 42 गेंदों में नाबाद 77 रन बनाए और फिर चार ओवर में 52 रन देकर एक विकेट लिया। हार्दिक टीम के अन्य खिलाड़ियों से एक दिन पहले यहां पहुंच गए थे और उन्होंने बाराबती स्टेडियम में अकेले अभ्यास भी किया था। उनकी वापसी से भारतीय टीम को आवश्यक संतुलन मिलेगा। कप्तान सूर्यकुमार यादव की लंबे समय से खराब फॉर्म इस श्रृंखला से पहले चर्चा का मुख्य विषय रहा है। आईपीएल में उन्होंने मुंबई इंडियंस के लिए 717 रन बनाए थे लेकिन इसके बाद वह अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए। पिछले साल जुलाई में पूर्णकालिक टी20 कप्तान के रूप में पदभार संभालने के बाद से वह 15 पारियों में 184 रन ही बना पाए और उनका औसत 15.33 रहा। यही नहीं उनका स्ट्राइक रेट भी 127.77 तक गिर गया जबकि 2022 में यह 187 था।

सूर्यकुमार के लिए विश्व कप से पहले यह श्रृंखला बेहद महत्वपूर्ण होगी क्योंकि मुश्ताक अली ट्रॉफी में भी वह पांच मैचों में 165 रन ही बना सके थे। विकेटकीपर बल्लेबाज की भूमिका में संजू सैमसन और जितेश शर्मा के बीच मुकाबला है। ऑस्ट्रेलिया में सैमसन ने केवल एक बार बल्लेबाजी की जब उन्हें तीसरे नंबर पर भेजा गया। इसके बाद जितेश को अंतिम तीन टी20 मैचों के लिए टीम में शामिल किया गया। भारत की विश्व कप जीत के बाद से सैमसन सर्वाधिक रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की सूची में तीसरे स्थान पर हैं। उन्होंने सलामी बल्लेबाज के रूप में तीन शतक लगाए हैं। इनमें से दो शतक उन्होंने दक्षिण अफ्रीका में लगाए गए थे। लेकिन गिल की उपकप्तान के रूप में वापसी ने सैमसन को निचले क्रम में एक ऐसी भूमिका में धकेल दिया है जिसे टी20 क्रिकेट में उन्होंने शायद ही पहले कभी निभाई हो। सैमसन ने मुश्ताक अली ट्रॉफी में भी अच्छा प्रदर्शन किया जिसमें उन्होंने दो अर्धशतक लगाए।

दूसरी तरफ जितेश का छह मैच में सर्वोच्च स्कोर 41 रन रहा। दक्षिण अफ्रीका के लिए यह अच्छी खबर है कि पिछले साल के टी20 विश्व कप फाइनल के बाद से बाहर रहे तेज गेंदबाज एनरिक नोर्किया की टीम में वापसी हुई है जिससे उसका गेंदबाजी आक्रमण मजबूत हो गया है। मार्को यानसन का एक अदद ऑलराउंडर बनने की राह पर अग्रसर हैं। उन्होंने रांची में पहले वनडे में 39 गेंद पर 70 रन की पारी खेलकर अपने बल्लेबाजी कौशल का शानदार नमूना पेश किया था। बाएं हाथ के स्पिनर केशव महाराज भी सीमित ओवरों की टीम में वापसी कर रहे हैं, हालांकि दक्षिण अफ्रीका को स्टार बल्लेबाज टोनी डी जॉर्जी और युवा तेज गेंदबाज क्वेना मफाका की कमी खलेगी जो चोट के कारण पांच मैचों की श्रृंखला से बाहर हो गए हैं।

इस प्रकार हैं टीम

- **भारत:** सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), जितेश शर्मा (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती।
- **दक्षिण अफ्रीका:** एडेन मार्क्रम (कप्तान), ओटिनिल बार्टमैन, कॉर्बिन बॉश, डेवाल्ड ब्रेविस, क्विंटन डी कॉक, डोनोवन फेरेरिया, रीजा हेंड्रिक्स, मार्को यानसन, जॉर्ज लिंडे, केशव महाराज, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी, एनरिक नोर्किया, ट्रिस्टन स्टब्स।

मैच भारतीय समयानुसार शाम सात बजे शुरू होगा।

खेल मंत्री ने लोकसभा में बताया: साइ में 1191 पद खाली, भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी गई है

नई दिल्ली। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने सोमवार को स्वीकार किया कि भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) में वर्तमान में 1,000 से अधिक पद रिक्त पड़े हैं। खेल मंत्री ने लोकसभा में केरल के अट्टिंगल के कांग्रेस सांसद अदूर प्रकाश के सवाल का जवाब देते हुए यह खुलासा किया। संसद की स्थायी समिति की हाल की रिपोर्ट में इस पर चिंता व्यक्त की गई थी। इस रिपोर्ट में साइ को ''गंभीर रूप से'' कम वित्तपोषित और कम कर्मचारियों वाला बताया गया था। यह पूछे जाने पर कि क्या सरकार ने साइ में धन और कर्मचारियों की भारी कमी पर संसद की स्थायी समिति की चिंताओं पर ध्यान दिया है, मांडविया ने कहा, ''सरकार ने टिप्पणियों पर ध्यान दिया है। साइ में कुल 1,191 पद रिक्त हैं। कुछ पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।''

कांग्रेस के राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह की अध्यक्षता वाली खेल संबंधी संसदीय स्थायी समिति ने अगस्त में अपनी रिपोर्ट में बताया था कि साइ में स्वीकृत पदों में से लगभग 45 प्रतिशत पद वर्तमान में रिक्त हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, ''यह तथ्य कि कर्मचारियों की इस कमी को संविदा नियुक्ति से पूरा किया जा रहा है, अधिक से अधिक केवल एक तदर्थ व्यवस्था हो सकती है।'' इस समिति में पूर्व क्रिकेटर और आप के राज्यसभा सांसद हरभजन सिंह, भाजपा सांसद संबित पात्रा और बांसुरी स्वराज भी शामिल हैं। समिति ने साइ में स्टाफ की कमी और कम फंडिंग पर ''गंभीर'' चिंता व्यक्त की थी। समिति ने इस वर्ष छह जून को बैठक में खेल सचिव और साइ के प्रतिनिधियों के विचार सुने थे। समिति ने इन रिक्तियों को भरने के लिए भर्ती शुरू करने की सराहना की लेकिन साथ ही खेल मंत्रालय से अगले छह महीनों में प्रक्रिया पूरी करने और ''कार्रवाई रिपोर्ट (एटीआर) पेश करने'' को कहा।

सरकार ने इस साल अपने वार्षिक बजट में युवा मामले और खेल मंत्रालय के लिए 3,794 करोड़ रुपये आवंटित किए। इसमें से 830 करोड़ रुपये साइ के लिए निर्धारित किए गए। मंत्री ने लोकसभा में कहा, ''साइ को बजट आवंटन संबंधित वित्तीय वर्ष के लिए उनके द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावों पर आधारित होता है। वर्ष के दौरान किसी भी तरह की अतिरिक्त आवश्यकता की जांच संशोधित अनुमान चरण में की जाती है और जहां उपयुक्त हो पूरक अनुदान पर विचार किया जाता है।'' खेल मंत्री से जब एक अन्य सवाल में पूछा गया कि क्या सरकार के पास खिलाड़ियों द्वारा दर्ज यौन उत्पीड़न की शिकायतों का समेकित रिकॉर्ड है, उन्होंने कहा कि ऐसा कोई समर्पित रिकॉर्ड मौजूद नहीं है। मांडविया ने हालांकि ''सुरक्षित और सकारात्मक वातावरण सुनिश्चित करने'' के लिए किए गए उपायों के बारे में जानकारी दी।

यश ठाकुर ने चार विकेट लिए, विदर्भ ने आंध्र को हराया

लखनऊ। विदर्भ ने तेज गेंदबाज यश ठाकुर के चार विकेट की मदद से सोमवार को यहां सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के ग्रुप ए के अंतिम दौर के मैच में आंध्र को 19 रन से पराजित किया।

आंध्र की टीम ग्रुप ए से मुंबई के साथ पहले ही अगले दौर में अपनी जगह सुरक्षित कर चुकी है लेकिन अंतिम मैच में उसे हार का सामना करना पड़ा। विदर्भ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए आठ विकेट पर 154 रन बनाए। इसके जवाब में आंध्र की टीम नौ विकेट पर 135 रन नहीं बना सकी। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ठाकुर ने 22 रन देकर चार विकेट लिए।

उन्होंने पहले मैच में पांच विकेट लिए थे और इस तरह से कुल 18 विकेट लेकर प्रतियोगिता में अपने अभियान का समापन किया। विदर्भ की पारी अमन मोखड़े (50) और विकेटकीपर बल्लेबाज अक्षय वाडकर (41) के इर्द-गिर्द घूमती रहीं। आंध्र के तेज गेंदबाज सत्यनारायण राजू ने 26 रन देकर चार विकेट लिए। आंध्र का बल्लेबाजी में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और उसने 31 रन पर तीन विकेट खो दिए। इनमें भारतीय खिलाड़ी श्रीकर भरत भी शामिल थे, जो खाता भी नहीं खोल पाए। पाइला अविनाश ने 37 गेंद पर 44 रन बनाए लेकिन यह जीत हासिल करने के लिए पर्याप्त नहीं थे।

एक अन्य मैच में असम ने युवा तेज गेंदबाज सादिक हुसैन के चार विकेट की मदद से केरल को पांच विकेट से हराया। केरल की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 19.4 ओवर में 101 रन पर आउट हो गई। असम ने 18.5 ओवर में पांच विकेट पर 105 रन बनाकर जीत हासिल की।

एफआईएच जूनियर महिला विश्व कपः भारत ने वेल्स को 3-1 से हराया

सैंटियागो। भारत ने एफआईएच जूनियर महिला विश्व कप हॉकी प्रतियोगिता के नौवें से 16वें स्थान के क्लासिफिकेशन मैच में वेल्स पर 3-1 की शानदार जीत के साथ शीर्ष 10 में जगह बनाने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा।

भारत की तरफ से हिना बानो (14वें मिनट), सुनलिता टोप्पो (24वें) और इशिका (31वें) ने गोल किए, जबकि एलोइस मोट (52वें) ने वेल्स के लिए एकमात्र गोल किया। भारत ने मैच पर शुरू से ही दबदबा बनाए रखा। उसे पहले 30 सेकंड में ही पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाया।

भारतीय खिलाड़ियों ने कई मौके बनाए लेकिन शुरुआत में गोल नहीं कर सके। वेल्स को भी इस बीच पेनल्टी स्ट्रोक के जरिए बढ़त बनाने का मौका मिला, लेकिन निधि ने उसे रोक दिया और स्कोर बराबर बनाए रखा। भारत का अगला मुकाबला नौ दिसंबर को उरुग्वे से होगा।

भारतीय बधिर क्रिकेट संघ ने यूएई में टी20 श्रृंखला के लिए टीम जर्सी का अनावरण किया

नई दिल्ली। भारतीय बधिर क्रिकेट संघ (आईडीसीए) ने तीन मैच की आगामी टी20 श्रृंखला के लिए सोमवार को टीम की जर्सी का अनावरण किया।

यह श्रृंखला आईडीसीए की बधिर टीम और दुबई की बधिर टीम के बीच 10 से 13 दिसंबर तक यूएई के शारजाह में खेली जाएगी। जर्सी का अनावरण श्रृंखला में हिस्सा ले रही भारतीय बधिर क्रिकेट टीम, आईडीसीए के सहयोगी साझेदारों और आईडीसीए के बोर्ड सदस्यों की मौजूदगी में किया गया। आईडीसीए अध्यक्ष सुमित जैन ने कहा, ''हमारे खिलाड़ी चैंपियनशिप के लिए अच्छी तरह से तैयार और उत्साहित हैं। वे अपना कौशल दिखाने और प्रतिष्ठित खिताब के लिए मुकाबला करने को तैयार हैं। मैं उन्हें इस श्रृंखला के लिए शुभकामनाएं देता हूं।''

आईडीसीए बधिर टीम इस प्रकार है: वीरेंद्र सिंह (कप्तान), सुहैल अहमद, आर यशवंत नायडू, संतोष कुमार महापात्रा, अश्विन कलियापेरुमल, राहुल वाघमशी, इहजास पट्टापिल, समीउल्लाह खान पठान, प्रणिल मोरे, विराज कोल्टे, जिगर ठक्कर, वैभव परांजपे, दीपक कुमार, फहीमुद्दीन।

कारोबार

संक्षिप्त खबरें

रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर एकीकृत सौर विनिर्माण सुविधा करेगी स्थापित

नई दिल्ली। उद्योगपति अनिल अंबानी के नेतृत्व वाली रिलायंस समूह की इकाई रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर भारत के सबसे उन्नत, पूर्णतः एकीकृत सौर विनिर्माण परिवेश में से एक की स्थापना करने जा रही है, जिसमें इन्गोट, वेफर्स, सेल और मॉड्यूल शामिल होंगे। रिलायंस समूह ने सोमवार को एक बयान में कहा कि उसकी ब्रांच रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के निवेशकों के समक्ष यह प्रस्ताव पेश की गई है। यह विनिर्माण सुविधा अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकी से लैस होगी, जिसमें इनगॉट्स, वेफर्स, सेल्स और मॉड्यूल शामिल हैं। कंपनी के मुताबिक यह आयात निर्भरता को कम करने और भारत की स्वच्छ ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए एक एकीकृत मंच होगा। ये सुविधा मांग-आपूर्ति के बीच के बड़े अंतर को पाटेगी, क्योंकि भारत को 2030 तक प्रतिवर्ष 55-60 गीगावाट सौर मॉड्यूल की जरूरत होगी, जबकि 'अपस्ट्रीम' क्षमता अब भी काफी कम है। रिलायंस समूह की एक अन्य कंपनी रिलायंस पावर ने अपने निवेशक प्रस्तुतिकरण में बताया कि रिलायंस एनयू एनर्जीज साधारण सौर ऊर्जा से हाइब्रिड एवं ठोस, चौबीसों घंटे (आरटीसी) नवीकरणीय ऊर्जा की ओर बदलाव को बल दे रही है। भारत का स्थापित स्थिर भंडारण आधार वर्तमान में एक गीगावाट से भी कम है, जो 2032 तक बढ़कर 250 गीगावाट हो जाएगा। दरअसल घरेलू विनिर्माण वर्तमान में अपेक्षित मांग का 10 फीसदी से भी कम पूरा कर पाता है।

टोरेंट पावर ने एलएनजी खरीद के लिए जापानी कंपनी जेईआरए के साथ समझौता किया

नई दिल्ली। टोरेंट पावर ने जापानी कंपनी जेईआरए से 10 वर्षों के लिए सालाना 2.7 लाख टन तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की खरीद का समझौता किया है। गैस आपूर्ति की शुरुआत 2027 से होगी। बिजली क्षेत्र की प्रमुख कंपनी ने सोमवार को एक बयान में कहा कि समझौते के तहत जेईआरए से मिलने वाली एलएनजी का रणनीतिक उपयोग टोरेंट पावर लिमिटेड (टीपीएल) के 2,730 मेगावाट क्षमता वाले गैस-आधारित बिजली संयंत्रों (जीबीपीपी) को चलाने में किया जाएगा। इसका उद्देश्य देश में बढ़ती बिजली की मांग को पूरा करना, व्यस्त समय में समर्थन देना और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के संतुलन में मदद करना है। यह एलएनजी टोरेंट समूह की शहरी गैस वितरण कंपनी टोरेंट गैस लिमिटेड (टीजीएल) की बढ़ती जरूरतों को भी पूरा करेगा। इससे घरों, व्यावसायिक एवं औद्योगिक उपभोक्ताओं और सीएनजी वाहनों के लिए विश्वसनीय गैस आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। बयान के मुताबिक, टीपीएल ने जेईआरए कंपनी इंक के साथ लंबी अवधि का बिक्री एवं खरीद समझौता (एसपीए) किया है।

मुनाफावसूली के दबाव में सेंसेक्स 610 अंक लुढ़का, निफ्टी 26 हजार के नीचे आया

मुंबई। लगातार दो सत्रों की बढ़त के बाद सोमवार को शेयर बाजार में जोरदार गिरावट हुई और सेंसेक्स 610 अंक लुढ़क गया जबकि निफ्टी 26,000 के स्तर से नीचे आ गया। ऊंचे स्तर पर मुनाफावसूली और विदेशी निवेशकों की बिकवाली जारी रहने से बाजार पर दबाव बढ़ गया। विश्लेषकों ने कहा कि इस सप्ताह अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीतिगत बैठक से पहले निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया हुआ है। इससे बाजार धारणा और कमजोर हुई। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 609.68 अंक यानी 0.71 प्रतिशत गिरकर 85,102.69 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 836.78 अंक टूटकर 84,875.59 पर आ गया था। एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी भी 225.90 अंक यानी 0.86 प्रतिशत गिरकर 25,960.55 अंक पर आ गया। कारोबार के दौरान एक समय यह 294.2 अंक टूटकर 25,892.25 के निचले स्तर पर आ गया था। सेंसेक्स के शेयर में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, इटर्नल, ट्रेंट, टाटा स्टील, बजाज फाइनेंस, अदाणी पोर्ट्स, बजाज फिनसर्व, भारतीय स्टेट बैंक, पावरग्रिड, एशियन पेंट्स, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, टाइटन, एनटीपीसी, कोटक महिंद्रा बैंक, लार्सन एंड टूब्रो और भारती एयरटेल में उल्लेखनीय गिरावट हुई। दूसरी तरफ, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, "बाजार में चौतरफा गिरावट देखने को मिली और निफ्टी 26,000 के स्तर के नीचे आ गया। निवेशक इस सप्ताह की फेडरल रिजर्व की नीतिगत बैठक से पहले सतर्क हो गए।" नायर ने कहा कि मजबूत घरेलू वृद्धि आंकड़ों और आरबीआई की हालिया ब्याज दर कटौती के बावजूद छोटी अवधि की धारणा दबाव में है। ऐसा वैश्विक मौद्रिक नीति को लेकर चिंताओं, एफआईआई की लगातार बिकवाली और मुद्रा के कमजोर होने के चलते है। नायर ने कहा, "जापानी बॉन्ड प्रतिफल के कई वर्षों के उच्च स्तर तक उछल जाने से बाजार में उतार-चढ़ाव बढ़ गया, जिससे 'येन कैरी ट्रेड' के वापस होने की आशंकाएं बढ़ीं।" एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी 1.34 प्रतिशत, चीन का शंघाई कंपोजिट 0.54 प्रतिशत और जापान का निक्केई 0.13 प्रतिशत बढ़ा, जबकि हांगकांग का हैंग सेंग 1.23 प्रतिशत गिर गया। यूरोपीय बाजार मिलेजुले रुख के साथ कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाजार शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुए थे। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 438.90 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। दूसरी ओर घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 4,189.17 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.61 प्रतिशत गिरकर 63.37 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के भाव पर था।

रुपया 14 पैसे टूटकर 90.09 प्रति डॉलर पर बंद

मुंबई। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और विदेशी पूंजी की लगातार निकासी के बीच रुपया सोमवार को 14 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.09 (अस्थायी) के भाव पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि अमेरिकी मुद्रा के लिए आयातकों की निरंतर मांग, घरेलू बाजारों से विदेशी पूंजी की निकासी और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर अनिश्चितता जैसे कई दबावों के कारण निवेशकों की धारणा कमजोर बनी हुई है।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 90.07 प्रति डॉलर के भाव पर खुला। उसके बाद यह लुढ़कता हुआ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.26 के निचले स्तर पर आ गया। कारोबार के अंत में रुपया 90.09 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ जो पिछले बंद भाव से 14 पैसे कम है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 89.95 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.01 प्रतिशत की गिरावट के साथ 98.98 पर रहा। घरेलू शेयर बाजार के मोर्चे पर सेंसेक्स 609.68 अंक की गिरावट के साथ 85,102.69 अंक पर जबकि निफ्टी 225.90 अंक फिसलकर 25,960.55 अंक पर बंद हुआ।

अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.71 प्रतिशत की गिरावट के साथ 63.28 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) शुक्रवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 438.90 करोड़ रुपये के शेयरों की बिक्री की थी।

सौर योजनाओं को लागू करने में राज्य, विकासकर्ताओं के बीच करीबी समन्वय जरूरी: संसदीय समिति

नई दिल्ली। एक संसदीय समिति ने नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के तहत संचालित सौर योजनाओं की धीमी प्रगति से जुड़े मुद्दों की पहचान और समाधान के लिए राज्यों और विकासकर्ताओं के बीच करीबी समन्वय पर बल दिया है।

संसदीय समिति ने सोमवार को संसद में पेश अपनी रिपोर्ट में कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की चार कार्यान्वयन एजेंसियों (एसईसीआई, एनएचपीसी, एसजेवीएन और एनटीपीसी लिमिटेड) की तरफ से जारी बोलियों में 30 जून, 2025 तक लगभग 44 गीगावाट के लिए बिजली खरीद समझौते पर हस्ताक्षर नहीं हुए हैं। ऊर्जा पर गठित स्थायी समिति की रिपोर्ट कहती है कि अधिकांश योजनाओं/ कार्यक्रमों जैसे प्रधानमंत्री सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना (पीएमएसजीः एमबीवाई), पीएम-कुसुम और सोलर पार्कों के विकास से संबंधित योजना की प्रगति धीमी रही है। मुफ्त बिजली योजना का लक्ष्य 2026-27 तक एक करोड़ घरों में छतों पर सौर इकाई लगाना है। हालांकि, समिति ने मंत्रालय द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के आधार पर बताया कि जून 2025 तक लगभग 16 लाख छतों पर सौर इकाई लगाए गए हैं। इसका मतलब है कि इस योजना के तहत लगभग 84 लाख घरों में छतों पर सौर इकाई लगाने का काम 2025-2027 के सिर्फ दो वर्षों में करना होगा।

समिति ने जागरूकता की कमी को योजना के क्रियान्वयन में सुस्ती का मुख्य कारण बताया है। समिति ने कहा है कि मंत्रालय राज्य/ बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) के साथ मिलकर ऐसे जागरूकता अभियान तैयार करे जो संबंधित राज्य की खास जरूरतों के अनुरूप हों। समिति ने पाया कि कृषि क्षेत्र में सौर बिजली के इस्तेमाल को बढ़ावा देने वाली पीएम-कुसुम योजना में भी देरी हो रही है।

मोटर वाहन की खुदरा बिक्री में नवंबर में तेजी बरकरार

नई दिल्ली। त्योहारों के बाद मोटर वाहनों की खुदरा बिक्री में तेजी बनी रही और नवंबर में पंजीकरण में सालाना आधार पर दो प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसे यात्री वाहनों, तिपहिया वाहनों, वाणिज्यिक वाहनों और ट्रैक्टर की मजबूत मांग से बल मिला। वहान डीलर के संगठन फाडा ने सोमवार को यह जानकारी दी। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के अनुसार, नवंबर 2024 में 32,31,526 इकाइयों की तुलना में पिछले महीने कुल खुदरा बिक्री बढ़कर 33,00,832 इकाई हो गई। पिछले साल दीपावली एवं धनतेरस अक्टूबर के अंत में पड़े थे और वाहनों का पंजीकरण नवंबर में हुआ था, जिससे बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि हुई थी। फाडा के अध्यक्ष सी. एस. विग्नेश्वर ने बयान में कहा कि जीएसटी दरों में कटौती और ओईएम के डीलर द्वारा की जा रही खुदरा पेशकशों से ग्राहकों ने खरीद की योजना बनाई जिससे त्योहारों के बाद भी ग्राहकों की संख्या में लगातार बढ़ती रही।

महाराष्ट्र सरकार ने विधानसभा में 75,286 करोड़ रुपये की अनुपूरक मांगें पेश कीं

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने 75,286.38 करोड़ रुपये की अनुपूरक मांगें सोमवार को विधानसभा में पेश कीं। इनमें से प्रस्तावित व्यय का बड़ा हिस्सा किसान राहत, सब्सिडी और सामाजिक कल्याण योजनाओं पर खर्च किए जाने का प्रस्ताव है। राज्य का सार्वजनिक ऋण वर्तमान में 9.32 लाख करोड़ रुपये है।

महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री अजित पवार ने राज्य विधानमंडल के सप्ताह भर के शीतकालीन सत्र के पहले दिन सदन के समक्ष अनुपूरक मांगें रखीं। नवीनतम प्रस्तावों के साथ वर्तमान सरकार द्वारा रखी गई कुल अनुपूरक मांगें 1,73,019 करोड़ रुपये की हो गई हैं। यह महायुति सरकार द्वारा प्रस्तुत अनुपूरक मांगों का चौथा 'सेट' है। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 7.06 लाख करोड़ रुपये का वार्षिक बजट पेश करने के बाद, राज्य ने दिसंबर 2024 में शीतकालीन सत्र के दौरान लाडकी बहिन योजना, मूर्ति निर्माण और सड़क मरम्मत के लिए 33,738 करोड़ रुपये की अनुपूरक मांगें पेश की थीं।

सरकार ने मार्च में बजट सत्र के दौरान मुख्य रूप से प्रशासनिक खर्चों के लिए 6,486 करोड़ रुपये की अतिरिक्त मांग की, इसके बाद जुलाई में मानसून सत्र के दौरान कल्याणकारी योजनाओं, 15वें वित्त आयोग से जुड़े अनुदानों एवं कुंभ मेले की तैयारियों के लिए 57,509 करोड़ रुपये की मांग की। कुंभ मेला अक्टूबर 2026 में नासिक में शुरू होगा।

झारखंड सरकार ने वित्त वर्ष 2026 के लिए 7,721.25 करोड़ रुपये का अनुपूरक बजट किया पेश

रांची। झारखंड सरकार ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 7,721.25 करोड़ रुपये का अनुपूरक बजट सोमवार को विधानसभा में पेश किया। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने चालू वित्त वर्ष के लिए दूसरा अनुपूरक बजट पेश किया। मांगों पर बहस नौ दिसंबर को होनी है। मानसून सत्र के दौरान 25 अगस्त को सदन ने 4,296.62 करोड़ रुपये का पहला अनुपूरक बजट ध्वनिमत से पारित किया था। किशोर ने राज्य विधानसभा में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 1.45 लाख करोड़ रुपये का वार्षिक बजट मार्च में पेश किया था। झारखंड विधानसभा का शीतकालीन सत्र गत शुक्रवार से शुरू हुआ था और 11 दिसंबर को चलेगा। सत्र के दौरान पांच कामकाजी दिवस होंगे।

'आपकी बहुत याद आती है पापा'

पिता धर्मेंद्र को याद कर भावुक हुईं

ईशा देओल

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस ईशा देओल ने अपने दिवंगत पिता और बॉलीवुड के ही-मैन धर्मेंद्र को याद किया है। एक्ट्रेस ने अपने पिता को मिस करते हुए वादा किया है कि वे उनकी विरासत और संस्कारों को पूरी जिम्मेदारी से आगे ले जाएंगी। पिता के निधन के बाद एक्ट्रेस ने पहली बार सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपनी भावनाओं को फैंस के साथ शेयर किया। 8 नवंबर को ही धर्मेंद्र का जन्म पंजाब में हुआ था। अपने पिता को याद करते हुए एक्ट्रेस ने लंबा और भावुक कर देने वाला पोस्ट लिखा। अपने पिता के साथ एक फोटो शेयर कर ईशा देओल ने लिखा, "मेरे प्यारे पापा, आप किसी भी लोक में रहें, चाहे वो स्वर्ग हो या धरती, हम हमेशा साथ हैं। हमने अपने दिलों में आपको पूरी कोमलता, सावधानी और अनमोलता से बसा लिया है। आपके साथ बिताई जादुई अनमोल यादें, आपके दिए सबक, शिक्षा, मार्गदर्शन, बिना शर्त प्यार करना, सम्मान और ताकत, जो कुछ आपने मुझे अपनी बेटी के रूप में दिया है, उसकी जगह कोई और नहीं ले सकता। ईशा ने आगे लिखा, "मुझे आपकी बहुत याद आती है, पापा। आपका गर्मजोशी से मुझे गले लगाना किसी गर्म कंबल में सुरक्षित महसूस कराने जैसा होता था। आपके कोमल लेकिन मजबूत हाथों को थामे हुए खुद को सबसे ज्यादा मजबूत महसूस करती थी। आपकी हमेशा कही बात "हमेशा विनम्र रहो, खुश रहो, स्वस्थ और मजबूत रहो" कानों में गूंजती है। मैं आपकी विरासत को गर्व और सम्मान के साथ आगे बढ़ाने का वादा करती हूं और मैं आपके प्यार को उन लाखों लोगों तक पहुंचाने की पूरी कोशिश करूंगी।

अपने पिता को याद कर भावुक हुए सनी देओल, याद किए उनके साथ बिताए पल

मुंबई। 65 साल का लंबा करियर बनाकर हिंदी सिनेमा में अपनी छाप छोड़ने के बाद अभिनेता धर्मेंद्र देओल ने 24 नवंबर को दुनिया को अलविदा कह दिया। 89 साल की उम्र में एक्टर ने अपने जुहू स्थिति घर पर अंतिम सांस ली। अब उनके निधन के बाद पहली बार उनके बड़े बेटे सनी देओल ने भावुक होकर अपने पिता को याद किया है। सनी देओल ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया है जिसमें वे अपने पिता के साथ दिख रहे हैं। वीडियो में सनी पूछते हैं कि पापा कैसा चल रहा है, इस पर अभिनेता कहते हैं, "बेटा, बहुत अच्छा लग रहा है, प्रकृति का प्यारा नजारा देखने को मिल रहा है।" अभिनेता के चेहरे पर प्यारी और सुकून देने वाली स्माइल दिख रही है। एक्टर सनी ने कैप्शन में लिखा, "आज मेरे पापा का जन्मदिन है। पापा हमेशा मेरे साथ हैं, मेरे अंदर हैं। लव यू, पापा, मिस यू।" सनी देओल के अलावा, उनके कजिन ब्रदर और अभिनेता अभय देओल ने भी अभिनेता को याद करते हुए प्यारा सा पोस्ट लिखा है। उन्होंने पोस्ट में उन यादों को ताजा किया है जब बचपन में उन्होंने ताऊजी धर्मेंद्र के साथ समय बिताया था। उन्होंने पुरानी यादों को याद कर लिखा, "ये बात शायद 1985 या 1986 की रही होगी। मुझे तभी डांटा गया था, इसलिए मैं परेशान था। उन्होंने मुझे अपने पास बुलाया, अपने पास बिठाया और कहा, 'वहां लाइट की तरफ देखो,' और सामने खड़े फोटोग्राफर ने हमारी तस्वीर निकाल ली।

'बिग बॉस 19' के विजेता बने गौरव खन्ना

'बिग बॉस 19' को मिला अपना विजेता और इस बार ट्रॉफी पर कब्जा टीवी स्टार गौरव खन्ना ने जमाया है। रोमांच और भावनाओं से भरे इस सीजन का ग्रैंड फिनाले आखिरकार अपने मुकाम पर पहुंचा, जहां गौरव ने अपने शानदार सफर, दमदार खेल, शांत स्वभाव और बेबाक अंदाज़ की बदौलत दर्शकों के दिल जीतते हुए बाकी सभी प्रतियोगियों को पछाड़ दिया। पूरे सीजन में उनकी समझदारी और रणनीति ने उन्हें सबसे मजबूत दावेदार के रूप में स्थापित किया, और फिनाले में उन्होंने साबित कर दिया कि वे इस ट्रॉफी के पूरी तरह हकदार थे। 7 दिसंबर को हुए ग्रैंड फिनाले में शो के टॉप 5 फाइनलिस्ट प्रणित मोरे, गौरव खन्ना, फरहाना भट्ट, अमाल मलिक और तान्या मित्तल अपनी अंतिम लड़ाई में उतरे। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद गौरव ने खिताब अपने नाम किया। उन्हें शो की ट्रॉफी के साथ 50 लाख रुपये की प्राइज मनी भी मिली। वहीं, फरहाना भट्ट सीजन की फर्स्ट रनर-अप रहीं। फिनाले के दौरान बसीर अली पर सलमान खान की नाराजगी भी सुर्खियों में रही। शो की बुराई करने पर सलमान ने उन्हें कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने कहा, ₹जिस शो ने आपको इतना दिया, उसी की आप बाहर बुराई कर रहे हैं।₹ फिनाले के दौरान एक भावुक पल तब आया जब सलमान खान दिवंगत अभिनेता धर्मेंद्र को याद करते हुए भावुक हो गए। ग्रैंड फिनाले में सितारों का जमावड़ा भी देखने को मिला। कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे अपनी फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' के प्रमोशन के लिए शो में पहुंचे।

100 करोड़ के पार हुई रणवीर सिंह की 'धुरंधर'

अभिनेता रणवीर सिंह की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'धुरंधर' बॉक्स ऑफिस पर रफ्तार नहीं, बल्कि एक रॉकेट बनकर उड़ी है। रिलीज के पहले ही वीकेंड में जिस तरह से फिल्म ने कमाई के नए पैमाने तय किए हैं, उसने दर्शकों के साथ-साथ ट्रेड एक्सपर्ट्स को भी चौंका दिया है। विक्की कौशल की 'छावा' और ऋषभ शेट्टी की 'कांतारा 2' के बाद अब 'धुरंधर' 2025 की तीसरी ऐसी फिल्म बन गई है जिसने शुरुआत से ही बाजार में तूफान ला दिया है। भारतीय बॉक्स ऑफिस ही नहीं, बल्कि ओवरसीज में भी फिल्म का दबदबा साफ देखा जा सकता है। फिल्म की शुरुआत भी बेहद दमदार रही थी, पहले दिन 28 करोड़ और दूसरे दिन 32 करोड़ रुपये की कमाई के बाद रविवार को फिल्म ने अपनी सबसे ऊंची उड़ान भरते हुए 103 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया।

विदेश

संक्षिप्त खबरें

भारतीय राजनयिक ने चक्रवात प्रभावित श्रीलंका के लिए भारत के समर्थन को दोहराया

कोलंबो। श्रीलंका में भारत के उच्चायुक्त संतोष झा ने सोमवार को श्रीलंकाई नेता नमल राजपक्षे से मुलाकात की और विनाशकारी चक्रवात दित्वा से उबरने के प्रयासों में इस द्वीपीय देश के लिए नयी दिल्ली के समर्थन को दोहराया। चक्रवात दित्वा के कारण श्रीलंका में लगभग 630 लोगों की मौत हो गई। श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे के बेटे नमल के साथ झा की यह मुलाकात ऐसे समय में हुई जब श्रीलंका विनाशकारी बाढ़ और भूस्खलन के बाद गंभीर संकट से जूझ रहा है। भारतीय उच्चायोग ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' के जरिए बताया कि नमल ने ऑपरेशन सागर बंधु के तहत जारी राहत और बचाव कार्यों के लिए भारत का धन्यवाद किया। बैठक के दौरान झा ने दोहराया कि भारत श्रीलंका के लोगों के लिए राहत एवं बचाव प्रयासों में समर्थन देना जारी रखेगा। चक्रवात ने श्रीलंका में भारी तबाही मचाई है और भारत सहित विभिन्न देश पुनर्वास प्रक्रिया में सहायता कर रहे हैं। सहायता के लिए श्रीलंका की अंतरराष्ट्रीय अपील पर प्रतिक्रिया देने वाला भारत पहला देश था।

पाकिस्तान : खैबर पख्तूनख्वा में अभियान के दौरान छह आतंकवादी ढेर, पंजाब में 12 गिरफ्तार

पेशावर। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सोमवार को चलाए गए अभियान में कम से कम छह आतंकवादी और एक सुरक्षाकर्मी मारे गए, जबकि कई अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। वहीं पंजाब प्रांत में सुरक्षाबलों ने 12 आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है। आतंकवादियों के खिलाफ यह अभियान अफगानिस्तान की सीमा से लगे मोहमंद कबायली जिले के सोरान दर्रा क्षेत्र में शुरू किया गया। अधिकारियों ने बताया कि अभियान में छह आतंकवादी मारे गए, जबकि कई अन्य घायल बताए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ में एक सुरक्षा कर्मी की भी मौत हो गई जबकि तीन अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। पंजाब आतंकवाद निरोधक विभाग (सीटीडी) ने एक बयान में कहा कि लाहौर, फैसलाबाद और बहावलपुर में खुफिया सूचना के आधार पर चलाए गए अभियानों के दौरान 12 "खतरनाक आतंकवादियों" को गिरफ्तार किया गया और उनके कब्जे से विस्फोटक और हथियार बरामद किए गए। पंजाब सीटीडी ने दावा किया, "गिरफ्तार किये गए संदिग्ध आतंकवादी भय और धार्मिक विद्वेष फैलाने के लिए प्रांत के संवेदनशील और धार्मिक स्थानों पर आतंकी हमले की साजिश रच रहे थे।" आतंकवादी संवेदनशील स्थानों और धार्मिक स्थलों की वीडियो रिकॉर्डिंग कर रहे थे।

तनाव बढ़ने पर थाईलैंड ने शुरू किए कंबोडियाई सीमा पर हवाई हमले

बैंकॉक। थाईलैंड ने सोमवार को कंबोडिया से लगती विवादित सीमा पर हवाई हमले शुरू किए। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर उस संघर्ष विराम समझौते को तोड़ने का आरोप लगाया, जिसके कारण पहले हुई लड़ाई रुक गयी थी। अक्टूबर में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कराए गए एक संघर्षविराम समझौते के बाद भी दोनों देशों के बीच तनाव बना हुआ है।

इससे पहले दोनों दक्षिण-पूर्व एशियाई पड़ोसी देशों के बीच क्षेत्रीय विवादों ने जुलाई में पांच दिनों तक चले संघर्ष को जन्म दिया था, जिसमें कई सैनिक और आम नागरिक मारे गए थे। थाई रक्षा मंत्रालय ने कहा कि 35,000 से अधिक लोग सीमा के निकटवर्ती क्षेत्रों को छोड़कर आश्रय स्थलों में चले गए हैं तथा माना जा रहा है कि और भी लोग अन्यत्र अपने रिश्तेदारों के यहां चले गए हैं। वहीं, कंबोडिया के सूचना मंत्री नेथ फेकट्रा ने कहा कि सीमा के निकट के कई गांवों के निवासियों को वहां से निकाल लिया गया है। नवंबर की शुरुआत में थाई सैनिकों के बारूदी सुरंगों की चपेट में आने के बाद और तनाव आ गया था, जिसके कारण थाईलैंड ने घोषणा की कि वह संघर्षविराम समझौते के कार्यान्वयन को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर देगा। दोनों पक्ष एक-दूसरे पर पहले हमला करने का आरोप लगा रहे हैं। ट्रंप ने नवंबर के मध्य में कहा था कि उन्होंने दोनों देशों के बीच युद्ध को रुकवा दिया है जबकि तनाव अब भी बना हुआ है। रविवार को सीमा पर एक और झड़प हुई, जिसके बाद दोनों देशों ने एक-दूसरे पर पहले गोली चलाने का आरोप लगाया। थाई सेना ने कहा कि कंबोडियाई गोलीबारी में उसके दो सैनिक घायल हुए और उसके जवाब में थाई सैनिकों ने पलटवार किया। दोनों पक्षों के बीच गोलीबारी का यह सिलसिला लगभग 20 मिनट तक चला। कंबोडिया ने कहा कि पहले गोलीबारी थाई पक्ष ने की और उसके सैनिकों ने जवाबी कार्रवाई नहीं की। सोमवार को थाई सेना के प्रवक्ता मेजर जनरल विनथाई सुवरी ने कहा कि कंबोडियाई सैनिकों ने थाईलैंड के कई इलाकों में पहले गोलीबारी की। उन्होंने बताया कि एक थाई सैनिक मारा गया और चार अन्य घायल हुए तथा प्रभावित क्षेत्रों से नागरिकों को निकाला जा रहा है।

उन्होंने कहा कि थाईलैंड ने "कंबोडियाई हमलों से निपटने के लिए कई क्षेत्रों में सैन्य ठिकानों पर हमला करने के लिए विमान का इस्तेमाल किया।" कंबोडियाई रक्षा मंत्रालय की प्रवक्ता माली सोचेता ने कहा कि थाई सेना ने ही सबसे पहले कंबोडियाई सैनिकों पर हमला किया था। उन्होंने कहा कि कंबोडिया ने सोमवार को शुरुआती हमलों के दौरान जवाबी कार्रवाई नहीं की। उन्होंने कहा, "कंबोडिया अनुरोध करता है कि थाईलैंड तुरंत उन सभी शत्रुतापूर्ण गतिविधियों को रोक दे, जो क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए खतरा हैं।" क्षेत्र के एक और पड़ोसी देश मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने सोशल मीडिया पर जारी एक बयान में संयम बरतने की अपील की और कहा कि उनका देश लड़ाई रोकने के प्रयासों में सहयोग करने के लिए तैयार है। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सदियों पुरानी दुश्मनी है। उनके क्षेत्रीय दावे मुख्य रूप से 1907 के उस नक्शे से उत्पन्न हुए हैं, जो तब बनाया गया था जब कंबोडिया फ्रांसीसी औपनिवेशिक शासन के अधीन था। थाईलैंड का कहना है कि वह नक्शा गलत है। अंतरराष्ट्रीय न्याय अदालत ने 1962 में कंबोडिया को उस क्षेत्र पर संप्रभुता दी जिसमें 1,000 वर्ष पुराना प्रेह विहार मंदिर भी शामिल है। यह फैसला आज भी कई थाई नागरिकों को खटकता है।

अग्निकांड को लेकर लोगों में गुस्से के बावजूद हांगकांग में मतदान दर बढ़ी

हांगकांग। चीन के विशेष प्रशासनिक क्षेत्र हांगकांग में 2021 में व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन करके लोकतंत्र समर्थक विपक्ष को खत्म किए जाने के बाद दूसरी बार हो रहे आम चुनाव के लिए लगभग एक तिहाई पंजीकृत मतदाताओं ने मतदान किया। मतदान दर 31.9 प्रतिशत दर्ज की गई जो 2021 के चुनाव में करीब 30.2 प्रतिशत थी। यह चुनावी बदलाव होने से पहले की तुलना में काफी कम मतदान है। इससे पहले मतदान 50 प्रतिशत से ऊपर रहा था। लगभग दो सप्ताह पहले एक अपार्टमेंट में आग लगने से 159 लोगों की मौत के बाद हुए ये चुनाव इस त्रासदी से निपटने को लेकर सरकार के बारे में जनता की राय भांपने का जरिया माना जा रहा है। शहर के 41 लाख पात्र मतदाताओं में से विशेष रूप से लोकतंत्र समर्थक लोगों ने 2019 में विरोध प्रदर्शनों के बाद हुए दमन के पश्चात राजनीति से दूरी बना ली है। इस चुनाव में उम्मीदवारों का चीन के प्रति निष्ठावान होना आवश्यक है। सरकार का कहना है कि 2019 में बड़े पैमाने पर हुए सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बाद स्थिरता लाने के लिए ये बदलाव जरूरी थे। इस बार मतदान प्रतिशत पर सबकी नजरें थी जो 2021 में हुए पिछले चुनाव में 30 प्रतिशत तक गिर गया था। शहर के मुख्य कार्यकारी जॉन ली ने शुक्रवार को लोगों से मतदान करने की अपील की थी। उन्होंने कहा था कि वह नयी 'लेजिस्लेटिव काउंसिल' में एक प्रस्ताव पेश करेंगे, जिसमें यह बताया जाएगा कि आग से प्रभावित पीड़ितों की कैसे सहायता की जा सकती है। वर्ष 2021 में हुए परिवर्तनों से पहले भी 70 सदस्यीय 'लेजिस्लेटिव काउंसिल' में से केवल आधे सदस्यों को सामान्य मतदाता चुनते थे। अब सदस्यों की संख्या बढ़ाकर 90 कर दी गई है, जिनमें से 20 सदस्यों को मतदाता चुनते हैं जबकि 40 का चुनाव चीन समर्थक चुनाव समिति करती है। शेष 30 सदस्य विभिन्न समूहों जैसे वित्त, स्वास्थ्य और रियल एस्टेट से चुने जाते हैं।

प्रवासियों को 'आईसीई' के आदेशों का पालन नहीं करने का अधिकार है: ममदानी

न्यूयार्क। न्यूयॉर्क शहर के नव-निर्वाचित मेयर जोहरान ममदानी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा कर प्रवासियों से कहा कि उन्हें अमेरिकी आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) के एजेंट से बात करने या उनकी बात मानने से इनकार करने का अधिकार है। यह वीडियो संघीय एजेंट द्वारा मैनहट्टन में की गई छापेमारी के कुछ ही दिनों बाद साझा किया गया है।

ममदानी ने शहर के 30 लाख प्रवासियों की सुरक्षा का संकल्प लेते हुए कहा, "यदि आप अपने अधिकारों को जानते हैं तो हम सब मिलकर आईसीई का सामना कर सकते हैं।" उन्होंने स्पष्ट किया कि लोग संघीय एजेंट के बात नहीं करने का विकल्प चुन सकते हैं, उनके वीडियो बना सकते हैं और यदि एजेंट के पास न्यायाधीश द्वारा हस्ताक्षरित न्यायिक वारंट नहीं है तो निजी स्थान में प्रवेश के उनके अनुरोध को अस्वीकार कर सकते हैं। मेयर का यह बयान न्यूयॉर्क के चाइनाटाउन के पास कैनाल स्ट्रीट पर आईसीई द्वारा लोगों को हिरासत में लेने की कोशिश किए जाने एक सप्ताह बाद आया, जहां प्रदर्शनकारियों ने विरोध जताया था।

जेलेंस्की रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त करने वाले अमेरिकी प्रस्ताव पर हस्ताक्षर के लिए तैयार नहीं: राष्ट्रपति ट्रंप

कीव। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की उनके देश द्वारा तैयार किए गए उस शांति प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने के लिए "तैयार नहीं हैं" जिसका उद्देश्य रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करना है। रूस और यूक्रेन के बीच मतभेदों को कम करने के उद्देश्य से शनिवार को अमेरिकी और यूक्रेनी वार्ताकारों ने तीन दिन की बातचीत पूरी की लेकिन रविवार रात पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने संकेत दिया कि वार्ता को आगे बढ़ने से रोकने वाले जेलेंस्की ही हैं।

ट्रंप ने कहा, "मुझे थोड़ी निराशा है कि राष्ट्रपति जेलेंस्की ने अभी तक इस प्रस्ताव को नहीं पढ़ा है, कुछ घंटे पहले तक यही स्थिति थी। उनकी टीम को यह पसंद है, लेकिन उन्होंने इसे नहीं पढ़ा।" उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि रूस को इससे कोई दिक्कत नहीं है लेकिन यह पक्का नहीं कि जेलेंस्की को यह ठीक लगे। उनकी टीम को यह पसंद है लेकिन वह तैयार नहीं हैं।" रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' की योजना को सार्वजनिक रूप से मंजूरी नहीं दी है। वास्तव में पिछले सप्ताह पुतिन ने कहा था कि ट्रंप के प्रस्ताव के कई पहलू अव्यावहारिक हैं। हालांकि, प्रस्ताव का मूल मसौदा मॉस्को के पक्ष में अधिक झुका हुआ था। जेलेंस्की ने शनिवार को कहा कि उन्होंने उन अमेरिकी अधिकारियों के साथ "फोन पर महत्वपूर्ण बातचीत" की है, जो फ्लोरिडा में यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल के साथ वार्ता में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें वार्ता की प्रगति के बारे में फोन पर जानकारी दी गई।

जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर लिखा, "यूक्रेन अमेरिका के साथ ईमानदारी से काम जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि वास्तविक शांति हासिल की जा सके।" ट्रंप ने जेलेंस्की की आलोचना ऐसे वक्त में की है जब रविवार को रूस ने ट्रंप प्रशासन की नयी राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति का स्वागत किया।